प्रो. कुमुद शर्मा
अध्यक्ष

हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली– 110007

क्रमांक : हिंदी / 2024–2025 / 9423

दिनांक: 04.03.2025

अधिष्ठाता
कला संकाय
दिल्ली विश्व विद्यालय
दिल्ली –110007

महोदय / महोदया

राष्ट्रीय शिक्षा नीति –2020 के अनुसार स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम समिति की दिनाँक 24.02.2025 की बैठक में सेमेस्टर – VI, VII और VIII के निम्नलिखित हिंदी पाठ्यक्रम को अनुमोदित किया गया है –

1. बी.ए. आनर्स हिंदी सेमेस्टर VI - GE
2. बी.ए. आनर्स हिंदी सेमेस्टर VII DSC, DSE - GE
3. बी.ए. आनर्स हिंदी सेमेस्टर VIII DSC, DSE – GE
4. बी.ए. आनर्स हिंदी पत्रकारिता एवं ,जनसंचार सेमेस्टर VII DSC, DSE – GE
5. बी.ए. आनर्स हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार सेमेस्टर VIII DSC, DSE - GE

उपयुक्त पाठ्यक्रम की प्रति आपके अनुमोदन एवं आवश्यक कार्रवाही हेतु प्रेषित है।

भवदीय
04/03/2025
(प्रो. कुमुद शर्मा)
अध्यक्ष, हिंदी विभाग

संलग्न : उपर्युक्त

Received
5-3-25

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VI – GE
साहित्यालोचन

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE साहित्यालोचन	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- साहित्य की आधारभूत समझ विकसित करना।
- साहित्य चिंतन के मूल सिद्धांतों से परिचय कराना।
- साहित्यशास्त्र की मूल मान्यताओं का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- साहित्य संबंधी आधारभूत समझ विकसित होगी।
- साहित्य चिंतन के मूल सिद्धांतों से परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- साहित्यशास्त्र की मूल मान्यताओं का बोध विकसित होगा।

इकाई – 1 : साहित्य और उसके भेद **(12 घंटे)**

- श्रव्यकाव्य एवं दृश्य काव्य
- गद्य और पद्य, प्रबंध काव्य, खंड काव्य, मुक्तक और प्रगीत
- कथा साहित्य – उपन्यास एवं कहानी
- अन्य गद्य विधाएं

इकाई – 2 : शब्द शक्तियां एवं अन्य काव्य तत्व **(9 घंटे)**

- शब्द शक्ति का अर्थ एवं भेद : अभिधा, लक्षणा और व्यंजना
- काव्य गुण : माधुर्य, ओज, प्रसाद
- काव्य दोष : शब्द दोष, अर्थ दोष और रस दोष

इकाई – 3 : रस, अलंकार और छंद **(12 घंटे)**

- रस का स्वरूप और उसके भेद
- अलंकार परिचय : शब्दालंकार और अर्थालंकार (प्रमुख अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, दृष्टांत, विभावना, विशेषोक्ति, भ्रांतिमान, संदेह, अन्योक्ति)
- छंद और उसके भेद : दोहा, सोरठा, चौपाई, सवैया, कवित्त, छप्पय

इकाई – 4 : साहित्य चिंतन के अन्य अवधारणात्मक पद **(12 घंटे)**

- आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकता
- बिंब, प्रतीक और मिथक
- विसंगति, विडंबना और फैंटेसी
- आदर्शवाद, यथार्थवाद और जादुई यथार्थवाद

सहायक ग्रंथ :

1. सिंह, डॉ. बच्चन; आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तिवारी, नित्यानंद; साहित्य का शास्त्र : आरंभिक परिचय, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. द्विवेदी, डॉ. रामअवध; साहित्य सिद्धांत, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, बिहार।
5. 'रसाल', रमाशंकर शुक्ल; रस छंदालंकार, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Hons.) Hindi

VII Semester

Sr. No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	DSC-19	• हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं	2-3
2	DSE (रचनाकार केंद्रित अध्ययन) (Any 3)	• कबीरदास	4-5
		• तुलसीदास	6-7
		• भारतेंदु हरिश्चंद	8-9
		• जयशंकर प्रसाद	10-11
		• महादेवी वर्मा	12-13
		• सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय'	14-15
3	GE (Any 2)	• आख्यानपरक हिंदी साहित्य	16-17
		• हिंदी साहित्य का सिनेमा में रुपांतरण	18-19
		• हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया	20-21
		• हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 1)	22-23

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSC
हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-19 हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारत के बहुभाषिक परिदृश्य के प्रति जागरूक करना।
- भारत में भारतीय भाषाओं के महत्व को रेखांकित करना।
- हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के अंतर्संबंध एवं सहअस्तित्व से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भारत के बहुभाषिक परिदृश्य के प्रति सजग होंगे।
- भारत में भारतीय भाषाओं के महत्व को समझ सकेंगे।
- हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के अंतर्संबंध एवं सहअस्तित्व से परिचित होंगे।

इकाई – 1 : भारत का भाषिक परिदृश्य **(12 घंटे)**

- भारत की भाषिक विविधता
- भाषा परिवार एवं भारतीय भाषाएं
- भारत की शास्त्रीय भाषाएं
- आधुनिक भारतीय भाषाएं

इकाई – 2 : भारतीय भाषाओं का संवैधानिक परिप्रेक्ष्य **(9 घंटे)**

- संविधान सभा में भारतीय भाषाओं का प्रश्न
- आठवीं अनुसूची की संकल्पना
- राजभाषा हिंदी

इकाई – 3 : देवनागरी लिपि एवं भारतीय भाषाएं **(12 घंटे)**

- भाषा एवं लिपि का अंतर्संबंध
- प्रमुख भारतीय भाषाएं एवं उनकी लिपि
- देवनागरी लिपि एवं विभिन्न भारतीय भाषाएं
- लिपि रहित भारतीय भाषाओं का संदर्भ एवं लिपि निर्माण

इकाई – 4 : हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का अंतर्संबंध **(12 घंटे)**

- वि-उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया एवं भारतीय भाषाएं
- 'स्व' की अवधारणा एवं 'स्वभाषा' का प्रश्न
- राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन एवं भारतीय भाषाएं
- भारत का वर्तमान बहुभाषिक परिप्रेक्ष्य एवं संपर्क भाषा

सहायक ग्रंथ :

1. बोरा, डॉ. राजमल; भारत की भाषाएं, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. चाटुर्ज्या, सुनीति कुमार; भारतीय आर्यभाषा और हिंदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; भारत की भाषा समस्या, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. चटर्जी, सुनीति कुमार; भारत की भाषाएं और भाषा संबंधी समस्याएं, महादेव साहा (अनुवाद), हिंदी भवन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
6. शास्त्री, कलानाथ; मानक हिंदी का स्वरूप, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. शर्मा, रामविलास; भारत की प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. शर्मा, रामविलास; भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. गिरि, राजीव रंजन; परस्पर : भाषा-साहित्य-आंदोलन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. देवी, गणेश (मुख्य संपादक); भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण, ओरिएंट ब्लैकस्वान, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
11. नंदकुमार, जे.; राष्ट्रीय स्वत्व के लिए संघर्ष : अतीत, वर्तमान और भविष्य, इंडस स्क्रॉल प्रेस, नयी दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
कबीरदास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE कबीरदास	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- भक्ति आंदोलन में कबीरदास के महत्व को रेखांकित करना।
- कबीरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
- कबीरदास के रचनात्मक योगदान को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भक्ति आंदोलन में कबीरदास के महत्व को समझ सकेंगे।
- कबीरदास के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित हो सकेंगे।
- कबीरदास के रचनात्मक योगदान को जान सकेंगे।

इकाई – 1 : कबीर का जीवन वृत्त एवं रचनाएं **(9 घंटे)**

- कबीर का जीवन परिचय
- भक्ति आंदोलन और कबीर
- कबीर की रचनाएं (साखी, सबद, रमैनी)
- कबीर की भाषा

इकाई – 2 : कबीर का समय **(12 घंटे)**

- सामाजिक परिस्थितियां
- राजनीतिक परिस्थितियां
- धार्मिक परिस्थितियां
- सांस्कृतिक परिस्थितियां

इकाई – 3 : कबीर का व्यक्तित्व **(12 घंटे)**

- कबीर का समाज सुधार
- कबीर का चिंतन (दर्शन एवं धर्म)
- कबीर की भक्ति
- कबीर की लोकप्रियता एवं कबीर पंथ

इकाई – 4 : पाठ आधारित व्याख्या (साखी एवं पदावली से चुने हुए अंश) **(12 घंटे)**

- नैना अंतरि आव तूं, यहु डर नाहि मुझ (निहकर्मी पतिब्रता कौ अंग, दोहा संख्या 2 से 6)
- लोग विचारी, जो पाऊं तलि होइ (निंद्या कौ अंग, दोहा संख्या 1 से 5)
- ना कबहुं चलि, भगति मुकुति गति पाइए रे (पद संख्या 5 से 16)
- संतौ भाई आई ज्ञान की आंधी रे, जानि ढारें पासा (पद संख्या 180 एवं 235)
  (कबीर ग्रंथावली, डॉ. श्यामसुंदर दास (संपादक), इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयागराज)

सहायक ग्रंथ :

1. कबीर साखी : कबीर पारख संस्थान, प्रीतम नगर, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
2. बीजक : लक्ष्मी प्रकाशन, बल्लीमरान, दिल्ली।
3. दास, डॉ. श्यामसुंदर; कबीर ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. अग्रवाल, पुरुषोत्तम; कबीर (साखी और सबद), नेशनल बुक ट्रस्ट, नयी दिल्ली।
5. द्विवेदी, डॉ. हजारी प्रसाद; कबीर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. नीलोत्पल (संपादक); कबीर दोहावली, प्रभात पेपर बैक्स, नयी दिल्ली।
7. द्विवेदी, केदारनाथ; कबीर और कबीर पंथ, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
8. चतुर्वेदी, परशुराम; उत्तरी भारत की संत परंपरा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
9. बड़थ्वाल, पीतांबर दत्त; कबीर काव्य की निर्गुण धारा, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. तिवारी, रामचंद्र; कबीर मीमांसा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
तुलसीदास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE तुलसीदास	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- तुलसीदास के साहित्यिक योगदान से परिचय करवाना।
- भक्ति आंदोलन के संदर्भ में तुलसीदास का आलोचनात्मक अध्ययन।
- तुलसी-साहित्य (बालकांड, सुंदरकांड एवं विनय पत्रिका) का अध्ययन-विश्लेषण।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी तुलसीदास के जीवन के विविध पहलुओं से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी भक्ति आंदोलन के संदर्भ में तुलसीदास के साहित्य को जान पाएंगे।
- विद्यार्थी बालकांड, सुंदरकांड एवं विनय पत्रिका के महत्व को समझने में समर्थ होंगे।

इकाई – 1 : तुलसीदास : युग एवं साहित्य **(12 घंटे)**

- तुलसीदास का साहित्यिक योगदान
- भक्ति आंदोलन का स्वरूप और तुलसीदास
- रामभक्ति शाखा की विशेषताएं
- रामकाव्य परंपरा में तुलसीदास
- भारतीय सौंदर्य-बोध और तुलसीदास

इकाई – 2 : श्री रामचरितमानस (गीत प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित) **(12 घंटे)**

- बालकांड : दोहा 201 से 205 तक (चौपाई सहित)
- सुंदरकांड : दोहा 3 से 10 तक (चौपाई सहित)

इकाई – 3 : विनयपत्रिका (गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित) **(9 घंटे)**

- पद संख्या – 100 से 110 तक

इकाई – 4 : तुलसी-साहित्य की प्रवृत्तियां **(12 घंटे)**

- तुलसीदास की भक्ति-भावना
- तुलसीदास की समन्वय-चेतना
- तुलसीदास की सामाजिक-चेतना
- 'रामचरित मानस' में राम-सुग्रीव मैत्री-प्रसंग
- तुलसीदास का भाषा-शिल्प

सहायक ग्रंथ :

1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; लोकवादी तुलसीदास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; गोस्वामी तुलसीदास, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
3. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; त्रिवेणी, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
4. गुप्त, माताप्रसाद; तुलसीदास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
5. सिंह, उदयभानु; तुलसी (संपादित), राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिंह, उदयभानु; तुलसी काव्य मीमांसा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. तिवारी, रामचंद्र; मध्ययुगीन काव्य-साधना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
8. सिंह, गोपेश्वर; भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. राय, प्रो. अनिल; भक्ति संवेदना और मानव-मूल्य, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली।
10. शर्मा, रामविलास; भारतीय सौंदर्य-बोध और तुलसीदास, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
11. हाड़ा, माधव; तुलसीदास (संपादित), राजपाल एंड संस प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
भारतेंदु हरिश्चंद्र

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भारतेंदु हरिश्चंद्र	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- आधुनिक हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि को समझाना।
- हिंदी सहित्य में भारतेंदु के योगदान को रेखांकित करना।
- नवजागरण तथा आधुनिक भावबोध की अवधारणा से परिचित करवाना।
- प्रथम स्वाधीनता संग्राम के बाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से अवगत करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- नवजागरण एवं आधुनिक भावबोध की संकल्पना से परिचित हो सकेंगे।
- भारतेंदु की रचनाओं एवं रचना-दृष्टि से परिचित होंगे।
- भारतेंदुयुगीन परिस्थितियों एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
- भारतेंदु की रचनाओं में व्याप्त राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक बोध से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : आधुनिक हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि और भारतेंदु युग (12 घंटे)

- भारतेंदु हरिश्चंद्र का रचना संसार : सामान्य परिचय
- भारतेंदुयुगीन परिस्थितियां
- भारतेंदुयुगीन साहित्यिक प्रवृत्तियां
- भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण

इकाई – 2 : भारतेंदु हरिश्चंद्र : काव्य पक्ष एवं पत्रकारिता (9 घंटे)

- गंगा वर्णन
- दशरथ विलाप
- मातृभाषा प्रेम से संबंधित दोहे – निज भाषा उन्नति, भ्रातगन आय
- मुकरियां – धन लेकर कहु, नहीं सखि चुंगी, सुंदर बानी, नहीं विद्यासागर

- संपादक के रूप में भारतेंदु हरिश्चंद्र – बालाबोधिनी, हरीश्चंद्र मैग्जीन

इकाई – 3 : भारतेंदु हरिश्चंद्र : नाट्यपक्ष **(12 घंटे)**

- अंधेर नगरी
- सत्य हरिश्चंद्र

इकाई – 4 : निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं **(12 घंटे)**

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है? (निबंध)
- दिल्ली दरबार दर्पण (निबंध)
- नाटक (निबंध)
- सरयूपार की यात्रा (यात्रा-संस्मरण)
- स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन (हास्य व्यंग्य)

सहायक ग्रंथ :

1. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. ब्रजरत्नदास; भारतेंदु हरिश्चंद्र, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
3. शंभुनाथ; हिंदी नवजागरण (भारतेंदु और उनके बाद), वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. तनेजा, सत्येंद्र; नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. श्रीवास्तव, परमानंद (संपादक); अंधेर नगरी – भारतेंदु हरिश्चंद्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. ब्रजरत्नदास (संकलनकर्ता), भारतेंदु ग्रंथावली, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
8. शर्मा, रामविलास; भारतीय नवजागरण और यूरोप, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B. A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
जयशंकर प्रसाद

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE जयशंकर प्रसाद	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- छायावाद के संदर्भ में जयशंकर प्रसाद की भूमिका और महत्व से परिचित करवाना।
- जयशंकर प्रसाद के कवि, नाटककार, निबंधकार एवं कथाकार रूप को समझाना।
- जयशंकर प्रसाद के साहित्य के आधार पर हिंदी साहित्य की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में जयशंकर प्रसाद के साहित्यिक व्यक्तित्व की गहरी समझ विकसित होगी।
- छायावाद और भारतीय राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के अंतर्संबंधों से परिचित हो सकेंगे।
- जयशंकर प्रसाद के साहित्य के आधार पर यथार्थवादी-आदर्शवादी विचारधारा से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : जयशंकर प्रसाद का जीवनवृत्त **(9 घंटे)**

- जीवन परिचय
- छायावाद और जयशंकर प्रसाद
- जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना

इकाई – 2 : काव्य **(12 घंटे)**

- जयशंकर प्रसाद की काव्य-यात्रा : सामान्य परिचय
- अरी वरुणा की शांत कछार
- पेशोला की प्रतिध्वनि
- मुझको न मिला रे कभी प्यार
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड 1, रत्नशंकर प्रसाद (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

इकाई – 3 : नाटक **(12 घंटे)**

- जयशंकर प्रसाद की नाट्य-यात्रा : सामान्य परिचय
- स्कंदगुप्त
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड 2 – रत्नशंकर प्रसाद (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

इकाई – 4 : निबंध एवं अन्य विधाएं **(12 घंटे)**

- काव्य और कला (निबंध)
- रंगमंच (निबंध)
- मधुआ (कहानी)
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड 4 – रत्नशंकर प्रसाद (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

सहायक ग्रंथ :

1. सिंह, नामवर; छायावाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रेमशंकर; प्रसाद का काव्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. वाजपेयी, नंददुलारे; जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. गौतम, रमेश; नाटककार प्रसाद : तब और अब, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
5. श्रोत्रिय, प्रभाकर; जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
6. चातक, गोविंद; प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना, साहित्य भारती प्रकाशन, दिल्ली।
7. शाही, विनोद; जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
8. उपध्याय, करुणाशंकर; जयशंकर प्रसाद : महानता के आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. प्रभाकर, विष्णु / शाह, रमेशचंद (संपादक); प्रसाद रचना संचयन, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020
B.A. (Hons.) Hindi
Semester VII – DSE
महादेवी वर्मा

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE महादेवी वर्मा	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- छायावाद के अंतर्गत महादेवी वर्मा के योगदान से परिचय करवाना।
- महादेवी वर्मा का साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान रेखांकित करना।
- महादेवी वर्मा की रचनात्मक गतिविधियों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी छायावाद के अंतर्गत महादेवी वर्मा के रचनात्मक योगदान से परिचित होंगे।
- महादेवी वर्मा के साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान की समझ विकसित होगी।
- महादेवी वर्मा के रचनात्मक कार्यों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : छायावाद और महादेवी वर्मा : सामान्य परिचय **(12 घंटे)**

- छायावाद : अर्थ, वैशिष्ट्य, स्वच्छंदतावाद और छायावाद
- छायावाद और महादेवी वर्मा
- स्वाधीनता आंदोलन में महादेवी वर्मा का योगदान
- संपादक के रूप में महादेवी वर्मा

इकाई – 2 : महादेवी वर्मा : काव्य पक्ष **(9 घंटे)**

- काव्य यात्रा
- वेदना तत्त्व, रहस्य भावना, सौंदर्य चेतना
- काव्य संवेदना
- काव्य शिल्प : भाषा, बिंब, प्रतीक, गीत

इकाई – 3 : महादेवी वर्मा : गद्य पक्ष **(12 घंटे)**

- स्त्री समस्या और आलोचना कर्म
- रेखाचित्रों का वैशिष्ट्य : कथ्य एवं शिल्प
- संस्मरण लेखन : विषयवस्तु एवं अभिव्यक्ति
- गद्य का वैशिष्ट्य

इकाई – 4 : महादेवी वर्मा : पाठ आधारित अध्ययन **(12 घंटे)**

- कविता : मैं नीर भरी दुःख की बदली, कौन तुम मेरे हृदय में, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल
- आलोचना : आधुनिक नारी
- संस्मरणात्मक रेखाचित्र : सुभद्रा कुमारी चौहान
- परख : मेरा परिवार (पुस्तक)

सहायक ग्रंथ :

1. पांडेय, गंगा प्रसाद; महीयसी महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, सुरेश चंद्र; महादेवी की काव्य साधना, रीगल बुक डिपो, नयी दिल्ली।
3. गुप्त, डॉ. गणपतिचंद्र, महादेवी : नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. मदान, इंद्रनाथ (संपादक); महादेवी चिंतन और कला, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. श्रीवास्तव, परमानंद (संपादक); महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
6. गुप्त, जगदीश; महादेवी, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
7. सिंह, विजय बहादुर; महादेवी की कविता का नेपथ्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. गुप्त, रामचंद्र; महादेवी : साहित्य, कला, जीवन दर्शन, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा, उत्तर प्रदेश।
9. गौतम, लक्ष्मण दत्त; महादेवी वर्मा कवि और गद्यकार, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली।
10. पांडेय, रामजी (संपादक); महादेवी और उनका काव्य, सरस्वती बुक डिपो।
11. सिंह, दूधनाथ; महादेवी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

B.A. (Hons.) Hindi

Semester VIII – DSE

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी साहित्य के अंतर्गत प्रयोगवाद से परिचित होना।
- अज्ञेय के रचना कर्म को समझना।
- साहित्यकार के रूप में अज्ञेय के योगदान से परिचित होना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास के अंतर्गत प्रयोगवादी साहित्यिक आंदोलन से परिचित होंगे।
- अज्ञेय के रचना-कर्म का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- रचनात्मक लेखन हेतु अभिप्रेरित होंगे।

इकाई – 1 : अज्ञेय का साहित्यिक योगदान **(12 घंटे)**

- प्रयोगवाद और अज्ञेय
- प्रयोगवाद की प्रमुख विशेषताएं
- अज्ञेय का काव्य : सामान्य परिचय
- अज्ञेय का गद्य-साहित्य : सामान्य परिचय

इकाई – 2 : अज्ञेय का कवि-कर्म **(12 घंटे)**

- कलगी बाजरे की
- यह दीप अकेला

- जितना तुम्हारा सच है
- आज थका हिय हारिल मेरा
- शब्द और सत्य

इकाई – 3 : अज्ञेय का कथा-साहित्य **(12 घंटे)**

- शरणदाता (कहानी)
- खितीन बाबू (कहानी)
- अपने-अपने अजनबी (उपन्यास)

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएं **(9 घंटे)**

- अज्ञेय : अपनी निगाह में (निबंध)
- बहता पानी निर्मला (यात्रा-संस्मरण)
- रूढ़ि और मौलिकता (आलोचना) (संवत्सर निबंध संग्रह में)

सहायक ग्रंथ :

1. पालीवाल, कृष्णदत्त; अज्ञेय के सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकार, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली।
2. पालीवाल, कृष्णदत्त (संपादक); अज्ञेय के साक्षात्कार, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली।
3. आचार्य, नंदकिशोर; अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा, वाग्देवी प्रकाशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
4. सिंह, प्रेम; अज्ञेय : चिंतन और साहित्य, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
5. अज्ञेय; संवत्सर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. कुमार, संजीव; जैनेंद्र और अज्ञेय : सृजन का सैद्धांतिक नेपथ्य, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. शाह, रमेशचंद्र; वागर्थ का वैभव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. राय, रामकमल; शिखर से सागर तक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
Semester VII – GE
आख्यानपरक हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE आख्यानपरक हिंदी साहित्य	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- आख्यान की परंपरा एवं स्वरूप की समझ विकसित करना।
- आख्यान की भारतीय परंपराओं की विशेषताओं का ज्ञान प्रदान करना।
- आधुनिक साहित्य के उत्स आख्यानकों से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- पौराणिक एवं ऐतिहासिक आख्यान संबंधी आधारभूत समझ विकसित होगी।
- रामायण तथा महाभारत संबंधी आख्यान का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- बौद्ध कालीन साहित्य संबंधी आख्यान की मान्यताओं का बोध विकसित हो सकेगा।

इकाई – 1 : आख्यानमूलक साहित्य का परिचय **(12 घंटे)**

- आख्यान की भारतीय परंपरा
- आख्यान : स्वरूप, संरचना और प्रकार
- पौराणिक तथा ऐतिहासिक आख्यानकों की सुदीर्घ परंपरा
- आख्यान का साहित्य निर्माण में आधारभूत योगदान

इकाई – 2 : आख्यानमूलक साहित्य का विधागत वैशिष्ट्य **(9 घंटे)**

- कथा साहित्य की आख्यानमूलक परंपरा
- काव्य की आख्यानमूलक परंपरा
- निबंध आदि अन्य गद्य विधाओं की आख्यानमूलक परंपरा

इकाई – 3 : काव्य की रामायण आधारित आख्यान परंपरा (12 घंटे)

- राम विनय – बाल मुकुंद गुप्त
- जो पुल बनाएंगे – अज्ञेय
- राम की जल समाधि – भारत भूषण
- संशय की एक रात (चतुर्थ सर्ग, संदिग्ध मन का संकल्प और सवेरा) – नरेश मेहता

इकाई – 4 : गद्य साहित्य की महाभारत तथा बौद्धकालीन आख्यान परंपरा (12 घंटे)

- एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष (नाटक)
- कृष्ण का दूत कर्म (महासमर 7, प्रत्यक्ष) – नरेंद्र कोहली (उपन्यास)
- भाव पुरुष श्रीकृष्ण – विद्यानिवास मिश्र (निबंध)
- थेरीगाथा (तेरहवां वर्ग) – डॉ. भरत सिंह उपाध्याय (लघुकथा)

सहायक ग्रंथ :

1. चंदेल, उमापति राय; पौराणिक आख्यानों का विकासात्मक अध्ययन, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली।
2. मेहता, नरेश; काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
3. गुप्त, गणपतिचंद्र; हिंदी भाषा एवं साहित्य कोश, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
4. अग्रवाल, वासुदेव शरण; भारत सावित्री, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
5. मिश्र, विद्यानिवास; महाभारत का काव्यार्थ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. गौड़, रामशरण; पौराणिक आख्यान कोश : कृष्ण काव्य के संदर्भ में।
7. गंगाधरन, वी.; द्विवेदी युगीन आख्यान काव्य, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. हीरा, राजवंश सहाय; भारतीय साहित्य शास्त्र कोश, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, बिहार।
9. त्रिपाठी, राधावल्लभ; श्रेष्ठ पौराणिक कहानियां।
10. एनसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन लिटरेचर, साहित्य अकादमी में आख्यान प्रविष्टि।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – GE
हिंदी साहित्य का सिनेमा में रुपांतरण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य का सिनेमा में रुपांतरण	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- साहित्य एवं सिनेमा के रूपांतरण की आधारभूत समझ विकसित करना।
- साहित्य एवं सिनेमा के रूपांतरण के मूल सिद्धांतों से परिचय कराना।
- सिनेमा में रूपांतरण के कला एवं तकनीकी पक्ष की मूल मान्यताओं से परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- साहित्य एवं सिनेमा में रूपांतरण की आधारभूत समझ विकसित होगी।
- साहित्य एवं सिनेमा रूपांतरण के मूल सिद्धांतों से परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- सिनेमा में रूपांतरण के कला एवं तकनीकी पक्ष की मूल मान्यताओं का बोध विकसित होगा।

इकाई – 1 : साहित्य एवं सिनेमा : अर्थ, स्वरूप एवं महत्व **(12 घंटे)**

- साहित्य एवं सिनेमा : परिभाषा, अर्थ एवं स्वरूप
- साहित्य एवं सिनेमा के भेद, तत्व एवं प्रकार
- साहित्य सिनेमा का अंतःसंबंध
- साहित्य सिनेमा की विकास यात्रा

इकाई – 2 : हिंदी साहित्य का सिनेमा में रूपांतरण **(9 घंटे)**

- हिंदी साहित्य का सिनेमा में रूपांतरण : स्वरूप एवं महत्व
- हिंदी एवं हिंदीतर साहित्य पर आधारित फिल्मों का संक्षिप्त परिचय
- विभिन्न साहित्यिक विधाओं का सिनेमा में रूपांतरण

- हिंदी साहित्य एवं सिनेमा : रूपांतरण की समस्याएं

इकाई – 3 : साहित्य एवं सिनेमा के रूपांतरण की रचना प्रक्रिया (12 घंटे)

- शब्द, वाक्य, कथोपकथन बनाम शॉट, सीन, संवाद
- काव्य, पाठक, लेखक बनाम सिनेमा में गीत, दर्शक, निर्देशक
- दृश्य रूपांतरण का तकनीकी पक्ष : दृश्य निर्माण, सिनेमैटोग्राफी
- सिनेमा में रूपांतरण का कला पक्ष : अभिनय, भाषा एवं संवाद

इकाई – 4 : हिंदी साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्मों का अध्ययन (12 घंटे)

- काली आंधी (कमलेश्वर) – आंधी (गुलजार, 1975)
- शतरंज के खिलाड़ी (प्रेमचंद) – शतरंज के खिलाड़ी (सत्यजीत रे, 1977)
- कोहबर की शर्त (केशव प्रसाद मिश्र) – नदिया के पार (गोविंद मुनीश, 1982)
- दुविधा (विजयदान देथा) – पहेली (अमोल पालेकर, 2005)

सहायक ग्रंथ :

1. ब्रह्मात्मज, अजय; सिनेमा की सोच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. ओझा, अनुपम; भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. अख्तर, ज़ावेद; सिनेमा के बारे में, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. अग्रवाल, प्रहलाद; हिंदी सिनेमा आदि से अनंत (चार खंड), साहित्य भंडार, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
5. चड्ढा, मनमोहन; हिंदी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, दिल्ली।
6. भारद्वाज, विनोद; सिनेमा कल आज कल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. पांडेय, आलोक रंजन (संपादक); हिंदी सिनेमा और समाज : युग संदर्भ, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
8. कुमार, विपुल; साहित्य और सिनेमा : अंतःसंबंध और रूपांतरण, मनीष प्रकाशन, दिल्ली।
9. प्रसाद, कमला (संपादक); फ़िल्म का सौंदर्यशास्त्र और भारतीय सिनेमा, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
10. कुमार, हरीश; सिनेमा और साहित्य, संजय प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – GE
हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को हिंदी और सोशल मीडिया के आपसी संबंधों की समझ प्रदान करना।
- डिजिटल युग में हिंदी साहित्य के विकास, सोशल मीडिया के प्रभाव, भाषा के बदलाव, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, और साहित्य के भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित कराना।
- सोशल मीडिया के नए माध्यमों से परिचित कराना और डिजिटल लेखन में उनकी सृजनात्मकता को विकसित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी साहित्य के डिजिटल स्वरूप को समझ सकेंगे।
- सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा के प्रयोग और उसके प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे।
- डिजिटल लेखन और सोशल मीडिया पर साहित्यिक अभिव्यक्ति के नए रूपों की पहचान कर सकेंगे।

इकाई – 1 : सोशल मीडिया : अर्थ एवं अवधारणा **(9 घंटे)**

- सोशल मीडिया के विविध रूप
- सोशल मीडिया : भाषा, समाज और संस्कृति
- मुख्यधारा और सोशल मीडिया

इकाई – 2 : जन जागरूकता एवं जन जागरण **(12 घंटे)**

- जनभागीदारी, जन जागरूकता एवं सोशल मीडिया
- जन आंदोलन एवं सोशल मीडिया
- जन संपर्क एवं जनमत निर्माण

- नियमन का प्रश्न और सोशल मीडिया

इकाई – 3 : सोशल मीडिया का व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य **(12 घंटे)**

- मार्केटिंग और सोशल मीडिया
- रोजगार और सोशल मीडिया : ब्लॉग लेखन, पॉडकास्ट, शॉर्ट्स एवं रील
- सोशल मीडिया एवं साहित्य : व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य
- व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा एवं सोशल मीडिया

इकाई – 4 : हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया **(12 घंटे)**

- साहित्य और सोशल मीडिया का अंतर्संबंध
- सोशल मीडिया : स्थिति और संभावनाएं
- सोशल मीडिया पर हिंदी लेखन (फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप)
- साहित्यकारों की डिजिटल उपस्थिति : हिंदी समय, प्रसार भारती आदि

सहायक ग्रंथ :

1. प्रकाश, अरुण; डिजिटल युग में हिंदी साहित्य।
2. सिंह, डॉ. राजेंद्र प्रसाद; हिंदी साहित्य और समकालीन परिदृश्य।
3. कुमार, विनय; सोशल मीडिया का भाषाई प्रभाव।
4. शर्मा, संजय; ब्लॉगिंग और डिजिटल लेखन।
5. कुमार, नवीन; डिजिटल साहित्य की अवधारणा।
6. द्विवेदी, संजय (संपादक); सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशंस, दिल्ली।
7. द्विवेदी, संजय (संपादक); मीडिया भूमंडलीकरण और समाज।
8. रमा; सोशल मीडिया और स्त्री, नॉर्दन बुक सेंटर, नयी दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
Semester VII – GE
हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 1)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 1)	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी प्रदान करना।
- नामकरण एवं काल विभाजन का बोध कराना।
- साहित्य इतिहास के ग्रंथों से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान हो सकेगा।
- इतिहास निर्माण की पद्धति से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य इतिहास के ग्रंथों से अवगत हो सकेंगे।

इकाई – 1 : हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन **(12 घंटे)**

- इतिहास की परिभाषा एवं स्वरूप
- हिंदी साहित्य के इतिहास का उद्भव एवं विकास
- हिंदी साहित्य – नामकरण एवं काल विभाजन

इकाई – 2 : आदिकाल **(9 घंटे)**

- आदिकाल की पृष्ठभूमि
- सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य
- रासो एवं लौकिक काव्य

इकाई – 3 : भक्तिकाल **(12 घंटे)**

- भक्ति आंदोलन : उद्भव एवं विकास
- निर्गुण भक्ति काव्यधारा
- सगुण भक्ति काव्यधारा

इकाई – 4 : रीतिकाल **(12 घंटे)**

- रीतिकाल : युगीन परिस्थितियां
- रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध काव्य
- रीतिमुक्त एवं अन्य काव्य धाराएं

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, ओरिएंट ब्लैकस्वान, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; हिंदी साहित्य एवं संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
6. डॉ. नगेंद्र / डॉ. हरदयाल (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर बुक्स, दिल्ली।
7. सिंह, बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
8. गुप्त, गणपति चंद्र; हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
9. पांडेय, मैनेजर; साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. शर्मा, नलिन विलोचन; साहित्य का इतिहास दर्शन, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

B.A. (Hons.) Hindi

VIII Semester

Sr. No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	DSC-20	• हिंदी साहित्य में भारतबोध	2-3
2	DSE (रचना केंद्रित अध्ययन) (Any 3)	• भारत भारती	4-5
		• रश्मिरथी	6-7
		• गोदान	8-9
		• राग दरबारी	10-11
		• आषाढ़ का एक दिन	12-13
		• रात का रिपोर्टर	14-15
3	GE (Any 2)	• हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक चिंतन	16-17
		• नाट्य-रूपांतरण	18-19
		• हिंदी शिक्षण	20-21
		• हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 2)	22-23

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSC
हिंदी साहित्य में भारतबोध

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-20 हिंदी साहित्य में भारतबोध	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारत को समझने के लिए भारतीय दृष्टि से परिचित करवाना।
- भारतीय साहित्य में भारतीयता की सतत परंपरा को चिन्हित करना।
- हिंदी साहित्य में भारतबोध की उपस्थिति को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भारत को समझने के लिए भारतीय दृष्टि से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय साहित्य में भारतीयता की सतत परंपरा को चिन्हित कर सकेंगे।
- हिंदी साहित्य में भारतबोध की उपस्थिति को रेखांकित कर सकेंगे।

इकाई – 1 : भारतबोध की संकल्पना **(12 घंटे)**

- भारतीय दृष्टि से भारत का अनुशीलन : प्राच्यवाद, भारतविद्या, भारतबोध
- भारतीय समाज एवं संस्कृति
- भारतीय जीवन-दृष्टि, भारत का लोक और लोकप्रज्ञा
- वि-उपनिवेशीकृत भारतीय चित्त / मानस

इकाई – 2 : भारतीय साहित्य और भारतबोध **(12 घंटे)**

- वैदिक वांग्मय, पुराण एवं उपनिषद्, संगम साहित्य, बौद्ध एवं जैन साहित्य – संक्षिप्त परिचय
- भारतीय भक्ति काव्य – सामान्य परिचय
- भारतीय पुनर्जागरण / नवजागरण एवं भारतीय साहित्य
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन एवं भारतीय साहित्य

इकाई – 3 : हिंदी साहित्य और भारतबोध – 1 (पाठ आधारित) (9 घंटे)

- राम-भरत संवाद – अयोध्या कांड (रामचरितमानस)
- भारतीय सामाजिक संरचना से संबंधित कविता – सखी वह मुझसे कहकर जाते (यशोधरा)
- भारतीय संस्कृति से संबंधित कविता – कालीदास सच सच बतलाना, बादल को घिरते देखा है (नागार्जुन)
- भारतीय जीवन-दृष्टि / दर्शन से संबंधित कविता – लहर (कविता), अरुण यह मधुमय देश हमारा (चंद्रगुप्त), तुमुल कोलाहल कलह में, मैं हृदय की बात रे मन (कामायनी)

इकाई – 4 : हिंदी साहित्य और भारत-बोध – 2 (पाठ आधारित) (12 घंटे)

- हिंदी नवजागरण : भारत जननी (नाटक) – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन : यह मेरी मातृभूमि है (कहानी) – प्रेमचंद
- आधुनिक भारत का निर्माण : परती परिकथा (प्रारंभिक 50 पृष्ठ) – फणीश्वरनाथ रेणु
- वि-उपनिवेशिकरण की प्रक्रिया : तुलसी के हिय हेरि (निबंध) – विष्णुकांत शास्त्री

सहायक ग्रंथ:

1. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. वर्मा, महादेवी; भारतीय संस्कृति के स्वर, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
3. अग्रवाल, वासुदेवशरण; भारत की मौलिक एकता, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली।
4. अग्रवाल, वासुदेवशरण; राष्ट्र, धर्म और संस्कृति, हनुमानप्रसाद शुक्ल (संपादक), प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. उपाध्याय, भगवतशरण; भारत की संस्कृति की कहानी, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
6. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; मध्यकालीन धर्म साधना, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
7. धर्मपाल; भारतीय चित्त मानस एवं काल, पुनरुत्थान ट्रस्ट, अहमदाबाद, गुजरात।
8. वर्मा, निर्मल; भारत और यूरोप: प्रतिश्रुति के क्षेत्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9. टंडन, डॉ. हरिहरनाथ; वार्ता साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश।
10. शर्मा, डॉ. मालती; वैदिक संहिताओं मे नारी, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
11. दीपक, जे. साई; इंडिया अर्थात भारत : उपनिवेशिकता, सभ्यता, संविधान, ब्लूमसबरी इंडिया।
12. निगम, आदित्य; आसमां और भी हैं: वैचारिक स्वराज के तक़ाज़े, सेतु प्रकाशन, नयी दिल्ली।
13. कुमार, चंदन; संत-भक्त परंपरा का भारतबोध, विश्वभारती पत्रिका, जुलाई-सितंबर 2024 अंक, पृष्ठ 9-17
14. थरूर, शशि; अंधकार काल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
15. शुक्ल, रजनीश कुमार; भारतबोध : सनातन और सामयिक, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।
16. Coomaraswamy, Ananda K; Introduction to Indian Art, Munshiram Manohar Lal Publishers.
17. Elliot & Dowson, Sir H M & Prof. John; The History of India, As Told by its Own Historian, Sushil Gupta (India) Ltd, Calcutta.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
भारत भारती

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भारत भारती	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- महान कवि एवं समाज सुधारक मैथिलीशरण गुप्त से अवगत कराना।
- मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्र प्रेम की भावना को समझाना।
- भारत भारती के उद्देश्य एवं प्रासंगिकता से परिचित कराते हुए भारत की महान संस्कृति से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी मैथिलीशरण गुप्त के साहित्यिक योगदान को जान पाएंगे।
- भारत भारती रचना का महत्व और उद्देश्य समझ पाएंगे।
- भारत भारती के माध्यम से भारत की महान संस्कृति को समझ पाएंगे।

इकाई – 1 : रचना और रचनाकार का परिचय **(9 घंटे)**

- मैथिलीशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- भारत भारती की मूल संवेदना
- भारत भारती रचना में स्वदेश प्रेम, पौराणिक और सांस्कृतिक संदर्भ
- भारत भारती, भाषा और शिल्प

इकाई – 2 : भारत भारती (अतीत खंड) **(12 घंटे)**

- मैथिलीशरण गुप्त की ऐतिहासिक-सामाजिक दृष्टि
- मैथिलीशरण गुप्त का भारत दर्शन एवं सांस्कृतिक चेतना
- अतीत खंड का महत्व, उद्देश्य और प्रासंगिकता
- भारत भारती की राष्ट्रीय जागरण और स्वाधीनता आंदोलन में भूमिका

इकाई – 3 : भारत भारती (वर्तमान खंड) **(12 घंटे)**

- भारत भारती में भारत की वर्तमान स्थिति का चित्रण
- वर्तमान खंड में साहित्य, संगीत, धर्म और स्त्री की दशा एवं दिशा का चित्रण
- वर्तमान खंड का महत्व, उद्देश्य और प्रासंगिकता
- भारत भारती और भारतीयता

इकाई – 4 : भारत भारती (भविष्यत् खंड) **(12 घंटे)**

- भारत के भविष्य, शिक्षा, गुरु-शिष्य संबंध, नेता, राष्ट्र भाषा और नवयुवकों के उज्ज्वल भविष्य संबंधी चिंतन
- समन्वय भावना
- भविष्य खंड का उद्देश्य, महत्व और प्रासंगिकता
- भारत भारती में आधुनिकता बोध

सहायक ग्रंथ :

1. गुप्त, मैथिलीशरण; भारत भारती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, मैथिलीशरण; नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. रमण, रेवती; भारतीय साहित्य के निर्माता : मैथिलीशरण गुप्त, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
4. टंडन, पूरनचंद (संपादक); भारत, भारतीयता और भारत, नव उन्नयन साहित्यिक सोसायटी, नयी दिल्ली।
5. नगेंद्र, डॉ.; मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
6. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. पाठक, डॉ. कमलाकांत; मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य, रंजीत प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, दिल्ली।
8. पालीवाल, कृष्णदत्त; मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत:सूत्र, सचिन प्रकाशन, दिल्ली।
9. वर पाठक, दानबहादुर; मैथिलीशरण गुप्त और उनका साहित्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, उत्तर प्रदेश।
10. गोयल, डॉ. उमाकांत; मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
11. खोसला, डॉ. माधुरी; मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में पात्रों की परिकल्पना, पराग प्रकाशन, दिल्ली।
12. तिवारी, डॉ. मंजुला; मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में नारी, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
13. व्होरा, आशा रानी; भारतीय नारी : अस्मिता और अधिकार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
रश्मिरथी

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE रश्मिरथी	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- रश्मिरथी खंड काव्य के माध्यम से रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता से परिचय कराना।
- रश्मिरथी में अभिव्यक्त भारतीय आख्यान परंपरा की जानकारी प्रदान करना।
- रश्मिरथी खंड काव्य की रचनात्मक विशिष्टता से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय आख्यान परंपरा को समझ सकेंगे।
- रश्मिरथी की रचनात्मक विशिष्टता से अवगत हो सकेंगे।

इकाई – 1 : रामधारी सिंह दिनकर का जीवनवृत्त **(12 घंटे)**

- रामधारी सिंह दिनकर का जीवन परिचय और कृतित्व
- रश्मिरथी खंड काव्य की कथावस्तु
- रश्मिरथी की सांस्कृतिक चेतना और स्मृति
- रश्मिरथी में आधुनिकता के संदर्भ

इकाई – 2 : रश्मिरथी का शिल्प विधान **(12 घंटे)**

- रश्मिरथी की भाषा
- रश्मिरथी की प्रतीक योजना
- रश्मिरथी में बिंब विधान
- रश्मिरथी का काव्य रूप

इकाई – 3 : रश्मिरथी की पाठ आधारित व्याख्या – 1 **(12 घंटे)**

- प्रथम सर्ग – कर्ण का शौर्य प्रदर्शन
- द्वितीय सर्ग – कर्ण का आश्रमवास
- तृतीय सर्ग – कृष्ण का संदेश
- चतुर्थ सर्ग – कर्ण की दानवीरता और त्याग

इकाई – 4 : रश्मिरथी की पाठ आधारित व्याख्या – 2 **(9 घंटे)**

- पंचम सर्ग – कुंती की चिंता
- षष्ठम सर्ग – कर्ण की शक्ति परीक्षा
- सप्तम सर्ग – कर्ण का बलिदान

सहायक ग्रंथ :

1. दिनकर, रामधारी सिंह; रश्मिरथी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
3. दिनकर, रामधारी सिंह; कविता की पुकार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. दिनकर, रामधारी सिंह; रचनावली, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
5. मेघ, रमेश कुंतल; मिथक से आधुनिकता तक, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; काव्यभाषा पर तीन निबंध, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
7. सिंह, केदारनाथ; आधुनिक हिंदी कविता में बिंब विधान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
8. दिनकर, रामधारी सिंह; भारत की सांस्कृतिक कहानी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
9. कुमार, दिनेश (संपादक); रश्मिरथी : एक पुनः पाठ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
गोदान

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE गोदान	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी उपन्यास लेखन की परंपरा के संदर्भ में गोदान के साहित्यिक योगदान से परिचय करवाना।
- पूर्व आधुनिकता, आधुनिकता एवं उपनिवेशवाद के संदर्भ में गोदान का अध्ययन-विश्लेषण।
- गोदान की भाषा एवं शैली-शिल्प की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी उपन्यास लेखन की परंपरा के विविध पहलुओं से परिचित हो सकेंगे।
- आर्थिक-सामाजिक शोषण एवं औपनिवेशिक कृषि तंत्र के संदर्भ में गोदान के महत्व को जान पाएंगे।
- गोदान की भाषा एवं शैली-शिल्प को समझने में समर्थ होंगे।

इकाई – 1 : रचनाकार एवं युग परिचय **(9 घंटे)**

- हिंदी उपन्यास लेखन की परंपरा
- हिंदी उपन्यास एवं प्रेमचंद
- कृषक जीवन के अन्य उपन्यास एवं गोदान

इकाई – 2 : गोदान का परिचय **(12 घंटे)**

- गोदान का परिचय
- गोदान की कथा-योजना
- गोदान की पात्र-योजना
- गोदान में चित्रित समस्याएं

इकाई – 3 : गोदान का विश्लेषण **(12 घंटे)**

- आदर्श एवं यथार्थ का चित्रण
- कृषक जीवन का महाकाव्य / औपनिवेशिक कृषि तंत्र
- ग्रामीण एवं नगरीय कथाओं का विवेचन
- नारी मुक्ति की दृष्टि से
- पूर्व आधुनिकता, आधुनिकता एवं उपनिवेशवाद
- स्वतंत्र भारत की परिकल्पना एवं राष्ट्रीय आंदोलन
- सामाजिक कुरीतियां

इकाई – 4 : गोदान का शिल्प **(12 घंटे)**

- गोदान का रचना-शिल्प
- गोदान की भाषा-शैली
- गोदान की संवाद-योजना
- गोदान का उद्देश्य

सहायक ग्रंथ:

1. मदान, इंद्रनाथ; प्रेमचंद : एक विवेचन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. वाजपेयी, नंद दुलारे; प्रेमचंद एक साहित्यिक विवेचन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. शर्मा, रामविलास; प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. गोयनका, कमल किशोर; प्रेमचंद नयी दृष्टि : नये निष्कर्ष, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली।
5. मिश्र, शिवकुमार; प्रेमचंद की विरासत और गोदान, लोकभारती प्रकाशन।
6. नवल; नंद किशोर, प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. राय, गोपाल; गोदान नया परिप्रेक्ष्य, नयी किताब, दिल्ली।
8. अपूर्वानंद; यह प्रेमचंद हैं, सेतु प्रकाशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
9. सिंह, बच्चन; उपन्यास का काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली।
10. साही, विजयदेव नारायण; वर्धमान और पतनशील (गोदान वाला लेख), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
11. अरविंदाक्षन, ए; प्रेमचंद के आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
12. श्रीवास्तव, परमानंद (संपादक); गोदान एक पुनर्विचार, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. कुमार, जैनेंद्र; एक कृती व्यक्तित्व, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली।
14. रामबक्ष; प्रेमचंद और भारतीय किसान; वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
15. राय, गोपाल; गोदान: नया परिप्रेक्ष्य, अनुपम प्रकाशन, पटना।
16. Mukherjee, Meenakshi; Realism and Reality: Chapter on Godan (हिंदी अनुवाद, गोदान को फिर से पढ़ते हुए, विनोद तिवारी, सदानंद साही (संपादक), ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
राग दरबारी

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE राग दरबारी	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- व्यंग्य विधा की जानकारी प्रदान करना।
- राग दरबारी का महत्व रेखांकित करना।
- पाठ आधारित अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी व्यंग्य विधा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी राग दरबारी कृति के महत्व से परिचित होंगे।
- पाठ आधारित अध्ययन की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास एवं राग दरबारी (12 घंटे)

- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास का विकास
- उपन्यास : यथार्थ की अनुभूति एवं अभिव्यक्ति
- स्वातंत्र्योत्तर भारत : संस्थाएं और सत्ता , परिवार, समाज, गांव, क़स्बा और शहर का बदलता स्वरूप
- लोकतंत्र और राग दरबारी

इकाई – 2 : राग दरबारी : कथ्य विश्लेषण (9 घंटे)

- राग दरबारी का कथा वितान
- पात्र और चरित्र विकास
- विसंगति, विडंबना और व्यंग्य
- दृश्य और दृष्टि

इकाई – 3 : राग दरबारी : विषयवस्तु और सामयिक यथार्थ **(12 घंटे)**

- राग दरबारी : सामयिक यथार्थ विश्लेषण, प्रासंगिकता
- कथ्य – सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक
- स्वातंत्र्योत्तर भारत की राजनीति

इकाई – 4 : राग दरबारी : शिल्पगत अध्ययन **(12 घंटे)**

- किस्सागोई और राग दरबारी
- राग दरबारी की भाषा, सूत्र भाषा, बिंब, प्रतीक, मुहावरे, चित्रात्मकता
- पात्रों की भाषा का विश्लेषण, नाटकीयता और संवाद
- बहुआयामी विडंबनाओं की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, शीर्षक की सार्थकता

सहायक ग्रंथ :

1. तिवारी, नित्यानंद; सृजनशीलता का संकट, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. फॉक्स, रैल्स; उपन्यास और लोकजीवन, पीपुल्स पब्लिकेशन हाउस, नयी दिल्ली।
3. यादव, वीरेंद्र; उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. तिवारी, विनोद (संपादक); राग दरबारी (कृति मूल्यांकन : उपन्यास), सेतु प्रकाशन, दिल्ली।
5. मिश्र, रामदरश; हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. मधुरेश, हिंदी उपन्यास का विकास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
7. राय, गोपाल; हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, नामवर (संपादक); श्रीलाल शुक्ल: जीवन ही जीवन, श्रीलाल शुक्ल अमृत महोत्सव समिति, नयी दिल्ली।
9. अवस्थी, रेखा (संपादक); राग दरबारी : आलोचना की फांस, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B. A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
आषाढ़ का एक दिन

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE आषाढ़ का एक दिन	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी नाटक की विकास-यात्रा में मोहन राकेश के अवदान से परिचय करवाना।
- मोहन राकेश के नाट्य-चिंतन को समझाना।
- आषाढ़ का एक दिन के कथ्य, नाट्य-शिल्प और रंगमंचीयता को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों को मोहन राकेश के नाटककार व्यक्तित्व की गहरी समझ विकसित होगी।
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाट्य-परंपरा में आषाढ़ का एक दिन के महत्व और प्रासंगिकता का विश्लेषण कर सकेंगे।
- समकालीन हिंदी रंगमंच की यथार्थवादी शैली से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : हिंदी नाट्य परंपरा और आषाढ़ का एक दिन **(12 घंटे)**

- हिंदी नाटक का विकास : सामान्य परिचय
- मोहन राकेश का नाट्य-साहित्य : सामान्य परिचय
- मोहन राकेश का नाट्य-चिंतन
- ऐतिहासिक नाट्य-परंपरा और आषाढ़ का एक दिन

इकाई – 2 : कथ्य-विश्लेषण **(9 घंटे)**

- नाटकीय द्वंद्व (यथार्थ और कल्पना, राजसत्ता और कलाकार, ग्राम और नगर)
- आषाढ़ का एक दिन का उद्देश्य
- आषाढ़ का एक दिन में नायकत्व एवं चरित्र-योजना

इकाई – 3 : नाट्य-संरचना **(12 घंटे)**

- कथावस्तु (विशेषताएं, इतिहास और कल्पना)
- अंक योजना
- संवाद योजना
- रंगभाषा (मौन, प्रतीकात्मकता, नाट्य-बिंब)
- देशकाल वातावरण

इकाई – 4 : रंगमंचीय अध्ययन **(12 घंटे)**

- हिंदी रंगमंच की यथार्थवादी शैली और आषाढ़ का एक दिन
- अभिनेयता के तत्व
- मंच-प्रस्तुति के घटक **:** दृश्य-सज्जा, रंग-संकेत, ध्वनि-प्रभाव, प्रकाश-योजना, आदि
- हिंदी रंगमंच में आषाढ़ का एक दिन की विभिन्न प्रस्तुतियां (विशेषतः इब्राहिम अलकाजी और श्यामानंद जालान निर्देशित)

सहायक ग्रंथ :

1. जैन, नेमिचंद (संपादक); मोहन राकेश के संपूर्ण नाटक, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
2. तनेजा, जयदेव (संपादक); नाट्य विमर्श : मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. रस्तोगी, गिरीश; मोहन राकेश और उनके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
4. चातक, गोविंद; आधुनिक हिंदी नाटक के अग्रदूत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. तनेजा, जयदेव; मोहन राकेश : रंग-शिल्प और प्रदर्शन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. गौतम, रमेश (संपादक); हिंदी रंगभाषा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. नटरंग (पत्रिका), मोहन राकेश विशेषांक, अंक – 21.
8. अभिनव इमरोज (पत्रिका), मोहन राकेश विशेषांक, जनवरी 2025.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
रात का रिपोर्टर

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE रात का रिपोर्टर	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- उपन्यास विधा की जानकारी प्रदान करना।
- कथाकार निर्मल वर्मा की रचनात्मकता से अवगत कराना।
- पाठ आधारित अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी उपन्यास विधा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी कथाकार निर्मल वर्मा के महत्व से परिचित होंगे।
- रात का रिपोर्टर कृति के महत्व से परिचित होंगे।

इकाई – 1 : निर्मल वर्मा का साहित्यिक परिचय **(12 घंटे)**

- कथा साहित्य
- कथेतर साहित्य
- पत्रकारिता
- निबंध

इकाई – 2 : रात का रिपोर्टर : अंतर्वस्तु का अवलोकन **(9 घंटे)**

- कथावस्तु
- कथ्य : आपातकाल
- पत्रकारिता

इकाई – 3 : रात का रिपोर्टर : राज और समाज **(12 घंटे)**

- सर्वसत्तावाद और लोकतंत्र
- मानवीय गरिमा और नागरिक अधिकार
- रिश्तों का अंतर्द्वंद
- भय और अवसाद

इकाई – 4 : रात का रिपोर्टर : कथा कौशल **(12 घंटे)**

- चरित्र और कथोपकथन
- भाषा, बिंब, प्रतीक और दृश्यात्मकता
- शिल्प-संरचना
- कहन और किस्सागोई

सहायक ग्रंथ :

1. वर्मा, निर्मल; रात का रिपोर्टर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. वाजपेयी, अशोक (संपादक); निर्मल वर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. गिल, गगन (संपादक); संसार में निर्मल वर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. मेहेर, छबिल कुमार (संपादक); निर्मल वर्मा : एक मूल्यांकन (कथा साहित्य), सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।
5. गिल, विनीत; निर्मल वर्मा और उनका साहित्यिक संसार, (अनुवाद: भुवेंद्र त्यागी), पेंगुइन इंडिया, दिल्ली।
6. पचौरी, सुधीश; निर्मल वर्मा और उत्तर उपनिवेशवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. सिंह, प्रेम (संपा.); निर्मल वर्मा : चिंतन और सृजन, फिफ्थ डायमेंशन प्रकाशन, दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – GE
हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक चिंतन

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक चिंतन	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी साहित्य की आधारभूत समझ विकसित करना।
- सांस्कृतिक चिंतन के मूल सिद्धांतों से परिचय कराना।
- साहित्य और संस्कृति के अंतर्संबंधों से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य संबंधी आधारभूत समझ विकसित होगी।
- सांस्कृतिक चिंतन के मूल सिद्धांतों से परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- साहित्य और संस्कृति के अंतर्संबंधों के साथ मूल मान्यताओं का बोध विकसित होगा।

इकाई – 1 : संस्कृति : परिचय एवं स्वरूप **(12 घंटे)**

- संस्कृति की अवधारणा
- सभ्यता और संस्कृति का अंत:संबंध
- भारतीय समाज और संस्कृति

इकाई – 2 : भारतीय सांस्कृतिक चिंतन परंपरा **(9 घंटे)**

- वैदिक चिंतन
- जैन चिंतन
- बौद्ध चिंतन

इकाई – 3 : हिंदी साहित्य में सांस्कृतिक चिंतन एवं दृष्टि (पद्य) (12 घंटे)

- तुलसीदास – रामलला नहछू (पद संख्या – 2, 3, 5, 9 एवं 19)
- गुरुनानक – नानक बाणी, जयराम मिश्र, मित्र प्रकाशन पप्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद (पद संख्या – 9, 12, 22, 38 एवं 16{1})
- मलिक मुहम्मद जायसी – पदमावत, रामचंद्र शुक्ल (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली (पद – षट् ऋतु वर्णन खंड : 2, 5, 6, 9 एवं 10)
- जयशंकर प्रसाद – कामायनी, विश्वंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली (पद – आनंद सर्ग : 47, 52, 57, 77 एवं 78)

इकाई – 4 : हिंदी साहित्य में सांस्कृतिक चिंतन एवं दृष्टि (गद्य) (12 घंटे)

- हजारी प्रसाद द्विवेदी – भारतीय संस्कृति की देन (निबंध)
- विद्यानिवास मिश्र – हल्दी – दूब और दधि – अच्छत (निबंध)
- फणीश्वरनाथ रेणु – सिरपंचमी का सगुन (कहानी)
- कुबेर नाथ राय – रस आखेटक (निबंध)

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. गुलाबराय, बाबू; भारतीय संस्कृति की रूपरेखा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
4. बदरीनारायण; लोक संस्कृति में इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
5. अग्रवाल, वासुदेवशरण; कला और संस्कृति, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, बिहार।
6. उपाध्याय, कृष्णदेव; लोक संस्कृति, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
7. पांडेय; गोविंद चंद्र, वैदिक संस्कृति, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. धर्मपाल; भारतीय चित्त, मानस और काल, पुस्तकायन ट्रस्ट, अहमदाबाद, गुजरात।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – GE
नाट्य रूपांतरण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE नाट्य रूपांतरण	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी नाट्य साहित्य के अंतर्गत नाट्य रूपांतरण के इतिहास से परिचित कराना।
- नाट्य रूपांतरण की प्रक्रिया और तकनीक की जानकारी प्रदान करना।
- रूपांतरण हेतु संपादन कला की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी नाट्य साहित्य के अंतर्गत नाट्य रूपांतरण के इतिहास से परिचित होंगे।
- नाट्य रूपांतरण की प्रक्रिया और तकनीक की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- रूपांतरण हेतु संपादन कला की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : नाट्य रूपांतरण की अवधारणा **(9 घंटे)**

- नाट्य रूपांतरण : अर्थ एवं स्वरूप
- नाट्य रूपांतरण : प्रक्रिया
- नाट्य रूपांतरण : रंग तकनीक
- नाट्य रूपांतरण हेतु संपादन

इकाई – 2 : हिंदी कहानी का रंगमंच **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी का रंगमंच : इतिहास
- संपादन की प्रक्रिया और नाट्य रूपांतरण
- कहानी : मूल पाठ का संरक्षण और रंग-आलेख
- तीन एकांत : देवेंद्रराज अंकुर द्वारा किया गया नाट्य रूपांतरण

इकाई – 3 : हिंदी उपन्यास का रंगमंच **(12 घंटे)**

- हिंदी उपन्यास के रंगमंच की विकास यात्रा
- उपन्यास के संपादन एवं रूपांतरण की रंग तकनीक
- उपन्यास के मूल पाठ का संरक्षण और रंग-आलेख
- कुरु कुरु स्वाहा : रंजीत कपूर द्वारा किया गया नाट्य रूपांतरण

इकाई – 4 : हिंदी कविता का रंगमंच **(12 घंटे)**

- हिंदी कविता के रंगमंच की विकास-यात्रा
- कविता का संपादन एवं रंग-तकनीक
- काव्य नाट्य रूपांतरण : मूल पाठ का संरक्षण
- राम की शक्ति पूजा : व्योमेश शुक्ल द्वारा किया गया नाट्य रूपांतरण

सहायक ग्रंथ :

1. वर्मा, निर्मल; तीन एकांत (धूप का एक टुकड़ा, डेढ़ इंच ऊपर, वीक एंड), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. आनंद, महेश; कहानी का रंगमंच, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली।
3. अंकुर, देवेंद्रराज; रंग कोलाज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. आनंद, महेश; रंग दस्तावेज़, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली।
5. शुक्ल, व्योमेश; झांकी (नाट्यालेख), राम की शक्ति पूजा।
6. आनंद, महेश / अंकुर, देवेंद्रराज; रंगमंच के सिद्धांत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. अंकुर, देवेंद्रराज; रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. https://www.youtube.com/watch?v=WnoNKhwPAts : देवेंद्रराज अंकुर से अमिताभ श्रीवास्तव की बातचीत।
9. Adaptation in contemporary Theatre: Performing Literature, Frances, Bloomsbury Collections, New York, USA.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – GE
हिंदी शिक्षण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी शिक्षण	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- भाषा शिक्षण की अवधारणा, महत्व, राष्ट्रीय, सामाजिक और शैक्षिक संदर्भ से परिचित कराना।
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाओं का ज्ञान देना।
- हिंदी शिक्षण के अंतर्गत भाषाई कौशलों एवं भाषा परीक्षण की विभिन्न पद्धतियों की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे।
- भाषा शिक्षण की संकल्पनाओं और राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक एवं भाषिक संदर्भों को जान सकेंगे।
- विभिन्न भाषाई कौशलों के साथ शिक्षण, मीडिया, अभिनय आदि क्षेत्र में प्रतिभा का विकास कर सकेंगे।

इकाई – 1 : भाषा शिक्षण की अवधारणा **(9 घंटे)**

- भाषा शिक्षण का अभिप्राय एवं उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ
- शिक्षण और प्रशिक्षण
- अर्जन और अधिगम

इकाई – 2 : भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं एवं शिक्षण विधियां **(12 घंटे)**

- प्रथम भाषा, मातृ भाषा तथा अन्य भाषा (द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना
- मातृ भाषा तथा अन्य भाषा शिक्षण के उद्देश्य
- मातृ भाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा का शिक्षण
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण
- भाषा शिक्षण की विभिन्न विधियां (प्रत्यक्ष, व्याकरण अनुवाद, श्रव्य भाषा एवं अन्य विधियां)

इकाई – 3 : हिंदी शिक्षण **(12 घंटे)**

- भाषा कौशल – सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना
- हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण
- द्वितीय भाषा के रूप में शिक्षण
- विदेशों में हिंदी भाषा शिक्षण

इकाई – 4 : भाषा परीक्षण और मूल्यांकन **(12 घंटे)**

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के विविध प्रकार
- मूल्यांकन के प्रकार

सहायक ग्रंथ :

1. श्रीवास्तव, डॉ. रवींद्रनाथ; भाषा शिक्षण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. श्रीवास्तव, डॉ. रवींद्रनाथ; अनुपयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह, अमर बहादुर; अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष (संपादित), केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
4. वर्मा, ब्रजेश्वर; भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान (संपादित), केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
5. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा शिक्षण, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा,बीना; हिंदी शिक्षण का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, नयी किताब, दिल्ली।
7. भोसले, सदानंद; हिंदी भाषा शिक्षण (संपादित), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, पांडेय, गुप्ता, डॉ. सावित्री, डॉ. शिवपूजन, डॉ. महिमा; हिंदी शिक्षण, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ।
9. सिंह, प्रो. दिलीप; भाषा, साहित्य और संस्कृति शिक्षण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. भाटिया, डॉ. कैलाशचंद; आधुनिक भाषा शिक्षण, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली।
11. बालकुमार, एम. (संपादक); सूचना युग में हिंदी शिक्षण एवं परीक्षण : समस्याएं एवं परिप्रेक्ष्य, भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, कर्नाटक।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – GE
हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 2)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 2)	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी प्रदान करना।
- आधुनिकता की अवधारणा विकसित करना।
- हिंदी गद्य की विकास यात्रा से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान हो सकेगा।
- आधुनिकता के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी गद्य की विकास यात्रा से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : भारतेंदु एवं द्विवेदी काल **(12 घंटे)**

- आधुनिकता एवं नवजागरण की अवधारणा
- भारतेंदु युग और स्वाधीनता आंदोलन
- द्विवेदी भारतेंदु युग : खड़ी बोली आंदोलन

इकाई – 2 : छायावाद, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद **(12 घंटे)**

- छायावाद: अर्थ, स्वरूप एवं प्रवृत्तियां
- प्रगतिवाद: अर्थ, स्वरूप एवं प्रवृत्तियां
- प्रयोगवाद: अर्थ, स्वरूप एवं प्रवृत्तियां

इकाई – 3 : नयी कविता एवं अन्य काव्य धाराएं **(9 घंटे)**

- नयी कविता
- साठोत्तरी कविता
- समकालीन कविता

इकाई – 4 : हिंदी गद्य साहित्य : उद्भव एवं विकास **(12 घंटे)**

- कथा साहित्य : कहानी एवं उपन्यास
- नाटक, निबंध और अन्य गद्य विधाएं
- आलोचना

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
2. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, ओरिएंट ब्लैकस्वान, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
3. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; हिंदी साहित्य एवं संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. डॉ. नगेंद्र, डॉ. हरदयाल (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर बुक्स, दिल्ली।
5. सिंह, बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. वाजपेयी, नंददुलारे; आधुनिक साहित्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. गुप्त, गणपति चंद्र; हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
8. सिंह, नामवर; छायावाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. सिंह, नामवर; आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
10. तिवारी, रामचंद्र; हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
11. सिंह, बच्चन; आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
12. शाह, रमेशचंद्र; छायावाद की प्रांसगिकता, वाग्देवी पॉकेट बुक्स, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
13. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; नयी कविता एक साक्ष्य, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
14. मुक्तिबोध, गजानन माधव; नयी कविता का आत्मसंघर्ष, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
15. शर्मा, रामविलास; नयी कविता और आस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
17. ओझा, डॉ. दशरथ; हिंदी नाटक उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली।

UNIVERSITY OF DELHI

UNDERGRADUATE PROGRAMMES OF STUDY

STRUCTURE, COURSES & SYLLABI OF SEMESTER – 7 & 8

Semester - 7
बी.ए.आनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार
Category I

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

DSC 19 समाचार समितियाँ

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC समाचार समितियाँ	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- समाचार समिति की अवधारणा से परिचित कराना।
- समाचार समिति की कार्यशैली से अवगत करना।
- समाचार जगत में इसकी आवश्यकता व महत्व से परिचित कराना।
- समाचार समिति पत्रकारिता के विकास से परिचित कराना

Course Learning Outcomes

- समाचार समिति की अवधारणा से परिचित होंगे।
- समाचार समिति की कार्यशैली से अवगत होंगे।
- समाचार जगत में समाज समिति के महत्त्व से परिचित होंगे।
- रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई**-1.** समाचार समिति**:** अवधारणा और विकास **10** घंटे

- समाचार समिति:परिभाषा, उद्देश्य और महत्व
- समाचार समिति: उद्भव और विकास
- हिंदी की प्रमुख समाचार समितियां

इकाई**-2.** समाचार समिति**:** स्वरूप और संरचना **10** घंटे

- समाचार समिति का स्वरूप: एकल समिति और बहुल समिति
- समाचार समिति की संरचना और प्रबंधन
- समाचार समिति के कार्य और चुनौतियां

इकाई**-3.** समाचार समिति की कार्यप्रणाली **10** घंटे

- समाचार समिति का कार्य क्षेत्र
- समाचार माध्यम और समाचार समिति का संबंध
- समाचार समितियां की विभिन्न सेवाएं

इकाई**-4.** समाचार समिति**:** समाचार संकलन और लेखन शैली **15** घंटे

- समाचार समिति रिपोर्टिंग की तकनीक और सिद्धांत
- बीट रिपोर्टिंग और लेखन शैली
- समाचार समिति रिपोर्टर की विशेषताएं और दायित्व

प्रायोगिक कार्य**:** **30** घंटे

- समाचार पत्र, पत्रिकाओं, रेडियो , टीवी चैनल की सामग्री का अध्ययन करने के उपरांत विभिन्न मुद्दों जैसे कंटेंट, कवरेज, नैतिक दृष्टिकोण के आधार पर रिपोर्ट तैयार करना।
- किसी एक समाचार समिति पर केस स्टडी तैयार करना।
- समाचार समिति पत्रकारिता पर प्रस्तुति (प्रेजेंटेशन) तैयार करना।
- सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय अभिरुचि के विषयों पर रिपोर्ट, फीचर और लेख तैयार करना।

सहायक पुस्तकें :

- हिंदी पत्रकारिता, डॉ कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी पत्रकारिता की विकास यात्रा, आशा गुप्ता, कनिष्क पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स नई दिल्ली
- हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम, डॉ. वेद प्रताप वैदिक, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली
- हिंदी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास: डॉ. रमेश कुमार जैन
- समाचार समिति की पत्रकारिता,काशीनाथ गोविंदराव जोगलेकर, संपादक रामचरण जोशी, राधा कृष्ण प्रकाशन संस्करण 2003
- मीडिया: प्रॉब्लम्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स नेशनल मीडिया सेंटर नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
- न्यूज़पेपर मैनेजमेंट इन इंडिया, गुलाब कोठारी, इंटरक्लचरल ओपन यूनिवर्सिटी नीदरलैंड द्वारा प्रकाशित, 1995

DSE 5 समसामयिक विश्व एवं भारत (क)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 5 समसामयिक विश्व एवं भारत (क)	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- समसामयिकता के स्वरूप की जानकारी देना।
- समसामयिक विश्व और भारत के महत्त्व से परिचित कराना।
- समसामयिक वैश्विक परिदृश्य से जुड़े क्षेत्रों में रोजगारपरक संभावनाओं पर प्रकाश डालना।

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी समसामयिकता की अवधारणा से परिचित होंगे।
- समसामयिक विश्व के परिप्रेक्ष्य में भारत के महत्त्व और गौरव को समझेंगे।
- रोजगार की संभावनाएँ विकसित होंगी।

इकाई-1 समसामयिक विश्व : सामान्य परिचय **10** घंटे

- समसामयिकता: अर्थ और अवधारणा
- समसामयिक घटनाएँ और विश्व
- समकालीन विश्व और मीडिया

इकाई-2 समसामयिक विश्व और राजनीति **10** घंटे

- समसामयिक विश्व में लोकतंत्र
- सामयिक मुद्दे और वैश्विक राजनीति
- वैश्वीकरण और भारत

इकाई–3 समसामयिक विश्व और भारत **10** घंटे

- वैश्विक मंच और भारत
- जियो पॉलिटिक्स और भारत
- बहु-ध्रुवीय विश्व और भारत

इकाई–4 समकालीन विश्व मुद्दे और चुनौतियां **15** घंटे

- एजेंडा सेटिंग और वैश्विक मीडिया
- समसामयिक पर्यावरणीय मुद्दे और मीडिया
- युद्ध आतंकवाद, ग्रीन एनर्जी, योग, स्वास्थ्य पोषण और मीडिया

प्रायोगिक कार्य : **30** घंटे

- प्रिंट अथवा इलेक्ट्रोनिक मीडिया में भारत और उसके पड़ोसी देशों के सम्बन्धों की मीडिया कवरेज का अध्ययन और रिपोर्ट प्रस्तुति।
- वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका केन्द्रित केस स्टडीज़।
- वैश्विक मुद्दों और जियो पॉलिटिक्स पर समूह चर्चा।
- भारत की छवि का निर्माण और वैश्विक मीडिया (अलजजीरा, सी एन एन,बी बी सी न्यूज़ आदि) – साक्षात्कार केस स्टडीज़।
- विभिन्न वैश्विक मुद्दों – युद्ध ,आतंकवाद, ग्रीन एनर्जी, योग, स्वास्थ्य पोषण आदि पर रिपोर्ट तैयार करना एवं पी पी टी प्रस्तुति।
- अंतरराष्ट्रीय मीडिया में प्रकाशित एवं प्रसारित मुद्दों पर समूह चर्चा।

सहायक पुस्तकें :

- भारत एवं विश्व – सी पी नेमा एवं सी त्रिपाठी – कॉलेज बुक डिपो , विश्व भारती पब्लिकेशन्स ,जयपुर
- इंडिया अर्थात भारत – उपनिवेशिकता ,सभ्यता , संविधान - जे साईं दीपक , ब्लूमबेरी इंडिया
- समकालीन भारत – डॉ. मनोहर प्रभाकर , प्रो. संजीव भानावत, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी
- भारत महान का विश्व को अवदान – डॉ रमेश चंद्र यादव 'कृष्ण '- आर्यावर्त संस्कृति संस्थान
- भारतीय राजनीति – सिद्धान्त समस्याएँ और सुधार – डॉ सुभाष काश्यप ,विश्व प्रकाश गुप्त , राधा पब्लिकेशन्स

DSE 5 ग्लोबल मीडिया एवं भारत (ख)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 5 ग्लोबल मीडिया एवं भारत (ख)	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- ग्लोबल मीडिया के सिद्धांतों और उनके प्रभावों से परिचित कराना।
- ग्लोबल मीडिया नेटवर्क और भारत के समकालीन मीडिया नेटवर्क के अंतर्संबंध को समझाते हुए फेक न्यूज, मिस इन्फॉर्मेशन और प्रोपेगेंडा से परिचित कराना।
- ग्लोबल मीडिया और संस्कृति के माध्यम से सॉफ्ट पावर कूटनीति और विश्व को समझाना

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी ग्लोबल मीडिया के सिद्धांतों और उनके प्रभावों से परिचित होंगे।
- ग्लोबल मीडिया नेटवर्क और भारत के समकालीन मीडिया नेटवर्क के अंतर्संबंध को समझते हुए फैक न्यूज, मिस इन्फॉर्मेशन और प्रोपेगेंडा से परिचित होंगे।
- ग्लोबल मीडिया के माध्यम से सॉफ्ट पावर कूटनीति और विश्व से परिचित होंगे।

इकाई- **1.** ग्लोबल मीडिया का परिचय **10** घंटे

- ग्लोबल मीडिया की अवधारणा, विकास
- ग्लोबल मीडिया परिदृश्य में भारतीय मीडिया का विकास
- विश्व के प्रमुख घटनाक्रम और ग्लोबल मीडिया

इकाई**-2.** ग्लोबल मीडिया के सिद्धांत और भारत **10** घंटे

- सांस्कृतिक साम्राज्यवाद का सिद्धांत : हर्बर्ट शिलर और सांस्कृतिक संकरण का सिद्धांत : होमी के. भामा
- सार्वजनिक क्षेत्र का सिद्धांत (Public Sphere Theory) : जुर्गेन हेबरमास और ग्लोबल मीडिया के सिद्धांत
- ग्लोबल गांव का सिद्धांत: मार्शल मैक्लुहान और एजेंडा-सेटिंग का सिद्धांत : मैक्सवेल मेक कोम्बस और डोनाल्ड शो

इकाई**-3.** ग्लोबल मीडिया नेटवर्क और भारत **(**फेक न्यूज, मिस इन्फॉर्मेशन, प्रोपेगेंडा**)10** घंटे

- अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियाँ और भारत : रॉयटर्स, एसोसिएटेड प्रेस, एजेंस फ्रांस-प्रेस, ब्लूमबर्ग
- प्रमुख समाचार नेटवर्क और भारत : BBC, CNN, अल जजीरा, फॉक्स न्यूज़, CGTN, रूस टुडे (RT), WION एवं सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म: मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप), ट्विटर (X), YouTube
- मीडिया समूह: प्रभुत्व और भारत (डिज्नी, वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी, वायाकॉम सीबीएस (Viacom CBS), न्यूज़ कॉर्प), एशियाई विस्तार: सोनी, टेनसेंट, अलीबाबा, CGTN

इकाई**-4.** ग्लोबल मीडिया, सांस्कृतिक प्रभाव और भारत **15** घंटे

- ग्लोबल मीडिया में सांस्कृतिक पहचान, मूल्य और वैश्विक जनमत
- भारतीय मनोरंजन उद्योग का ग्लोबल मीडिया में सांस्कृतिक प्रभाव

- ग्लोबल मीडिया और संस्कृति के माध्यम से सॉफ्ट पावर कूटनीति (डीप स्टेट, हिंडनबर्ग, कैम्ब्रिज एनालिटिका, पेगासस स्पाइवेयर, विकीलीक्स)

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- ग्लोबल मीडिया प्रणालियाँ और मॉडल को विश्लेषित करना।
- मीडिया प्रणालियों का तुलनात्मक विश्लेषण करना (सत्तावादी, स्वतंत्रतावादी, सामाजिक उत्तरदायित्व, विकासात्मक)
- ग्लोबल मीडिया स्वामित्व पैटर्न का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- ग्लोबल मीडिया स्वतंत्रता पर विभिन्न देशों के सरकारी नीतियों के प्रभाव का अध्ययन।
- विभिन्न मीडिया मॉडलों की केस स्टडी करना (अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, भारत, रूस)
- ग्लोबल मीडिया में एकाधिकार संबंधी चिंताएँ, मीडिया पूर्वाग्रह, आर्थिक प्रभाव का विश्लेषण करना।
- समाज में ग्लोबल मीडिया के सूचना प्रसार: ब्रेकिंग न्यूज़, रियल-टाइम अपडेट आदि पर प्रोजेक्ट तैयार करना।
- ग्लोबल मीडिया और भारत के सांस्कृतिक आदान-प्रदान संबंधी फ़िल्में, संगीत, साहित्य पर प्रोजेक्ट तैयार करना।
- ग्लोबल परिदृश्य में भारतीय मीडिया का विकास, ग्लोबल मीडिया नियम, ग्लोबल संदर्भ में प्रेस की सेंसरशिप और स्वतंत्रता और भारतीय मीडिया पर ग्लोबल मीडिया कानूनों का प्रभाव आदि का तुलनात्मक अध्ययन।
- अंतरराष्ट्रीय मीडिया सहयोग और भारत की भूमिका का अध्ययन

सहायक पुस्तकें :

- रत्नू,कृष्ण कुमार. नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता, हरियाणा साहित्य अकादमी
- कुमार, सुरेश. ऑनलाइन मीडिया,पियरसन एजुकेशन इंडिया
- मीडिया तकनीक और संचार क्रांति, डॉ. संजय द्विवेदी, अवधेश प्रकाशन
- डिजिटल मीडिया: एक परिचय, सुरेश कुमार,पियरसन इंडिया
- Understanding Media: The Extensions of Man, Marshall McLuhan
- Convergence Culture: Where Old and New Media Collide, Henry Jenkins
- Media Technologies: Essays on Communication, Materiality, and Society,Editors: Tarleton Gillespie, Pablo J. Boczkowski, and Kirsten A. Foot
- The Language of New Media, Lev Manovich
- Digital Media: A Handbook, Simon Lindgren
- New Media: A Critical Introduction, Authors: Martin Lister, Jon Dovey, Seth Giddings, Iain Grant, and Kieran Kelly
- Artificial Intelligence and Journalism: Algorithms, Automation, and News, Seth Lewis
- Media and Society: A Critical Perspective, Arthur Asa Berger
- Daya Kishan Thussu. International Communication: Continuity and Change, Oxford University Press ,2003.
- Yahya R. Kamalipour and Nancy Snow. War, Media and Propaganda-A Global Perspective, Rowman and Littlefield Publishing Group, 2004.
- Communication and Society, Today and Tomorrow " Many Voices One World"Unesco Publication, Rowman and Littlefield publishers, 2004.
- Barbie Zelizer and Stuart Allan. Journalism after 9/11, Taylor and FrancisPublication, 2012.
- Daya Kishan Thussu .War and the media : Reporting conflict 24x7, Sage Publications,2003.
- Stuart Allan and Barbie Zelizer. Reporting war : Journalism in war time, Routledge Publication, 2004.
- Lee Artz and Yahya R. Kamalipor. The Globalization of Corporate Media Hegemony, New York Press,2003.

Teaching-Learning Process (शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया)

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन के दौरान निम्नलिखित प्रक्रिया को अपनाया जाएगा –

कक्षा में विषय आधारित व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, सरल से जटिलतर अध्यापन की ओर उन्मुखता, जटिल विषयों पर कक्षा के अलावा विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान और कार्यशाला का आयोजन, कक्षा में इंटरएक्टिव मोड में अध्यापन, स्मार्ट क्लासरूम का प्रयोग, ग्लोबल मीडिया और भारत के सांस्कृतिक आदान-प्रदान संबंधी फ़िल्में, संगीत, साहित्य का अध्ययन और उसका प्रोजेक्ट पर प्रदर्शन, ग्लोबल मीडिया के सिद्धांत का प्रयोग, ग्लोबल मीडिया नेटवर्क जैसे AP, AFP, ब्लूमबर्ग, BBC, CNN, अल जजीरा, फॉक्स न्यूज़, CGTN, रूस टुडे (RT), WION आदि के लाइव प्रोजेक्ट तैयार कर उसका प्रेज़न्टेशन एवं प्रैक्टिकल-प्रोजेक्ट के लिए छात्रों को बाहर ले जाया जा सकता है।

DSE 5 वीडियो निर्माण (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 5 वीडियो निर्माण (ग)	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- वीडियो निर्माण के विभिन्न प्रारूपों की जानकारी प्रदान करना।
- टीवी, इंटरनेट या वेब के लिए वीडियो निर्माण में तकनीक कौशल विकसित करना।
- लाइव कैप्चरिंग, पोस्ट कैप्चरिंग (वीडियो संपादन) में कौशल विकसित करना।
- स्क्रिप्ट, शूटिंग, संपादन, आफ्टर इफेक्ट्स एवं ध्वनियों की जानकारी प्रदान करना।

Course Learning Outcomes

- वीडियो निर्माण के विभिन्न प्रारूपों की जानकारी प्राप्त होगी।
- वीडियो निर्माण का कौशल विकसित होगा।
- वीडियो संपादन क्षेत्र में कौशल विकसित होगा।
- रेडियो, टेलीविजन, विज्ञापन, संगीत, वीडियो, वेब वीडियो के क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं की जानकारी मिलेगी।

इकाई-**1.** वीडियो फॉर्मेट **10** घंटे

- वीडियो फॉर्मेट - परिभाषा, महत्त्व और उपयोग
- वीडियो फॉर्मेट के प्रकार - MP4, MOV, WMV, FLV, AVI, AVCHD (एडवांस्ड वीडियो कोडिंग हाई डेफ़िनेशन), WebM, MKV आदि
- वीडियो निर्माण के प्रकार - लघु फिल्म, लंबी फिल्में, टेलीविजन विज्ञापन, संगीत, मार्केटिंग वीडियो, वेब वीडियो, वेब वीडियो विज्ञापन आदि

इकाई-**2.** वीडियो निर्माण प्रक्रिया **10** घंटे

- प्री-प्रोडक्शन – पूर्व योजना, विषय निर्धारण, बजट, रणनीति, साइट विज़िट (रेकी), स्टोरीबोर्ड निर्माण, शूट प्लान (लोकेशन, क्रू का सेटअप पर आने का समय, शूट की अवधि, ज़रूरी कास्ट, प्रॉप्स आदि), कास्ट (अभिनेता, अभिनेत्री, वॉयस ओवर आर्टिस्ट एवं अन्य), स्क्रिप्टिंग, क्रू (वीडियोग्राफर, निर्देशक, सहायक निर्माता (एपी), ऑडियो तकनीशियन, ड्रोन वीडियोग्राफर आदि)
- प्रोडक्शन – फिल्मांकन, वीडियो उपकरण सेट करना, लाइटिंग सेट करना, ऑडियो उपकरण सेट करना, स्थान का फिल्मांकन, वीडियो रिकॉर्डिंग, साउंड मिश्रण
- पोस्ट प्रोडक्शन - वीडियो सामग्री को व्यवस्थित करना, चयन करना और संपादन करना, फुटेज की समीक्षा, वीडियो की शैली के अनुरूप संगीत का चयन, दृश्य चयन, साक्षात्कार को संपादित करना, वॉयस ओवर रिकॉर्ड करना (यदि आवश्यकता हो), इंट्रो बनाना, स्क्रीन पर टेक्स्ट/लोगो के आफ्टर इफेक्ट्स और एनिमेशन का प्रयोग (यदि आवश्यक हो), पब्लिसिटी और डिस्ट्रीब्यूशन

इकाई-**3.** प्रकाश व्यवस्था (लाइटिंग) **10** घंटे

- प्रकाश की अवधारणा, प्रकाश का उपयोग, प्रकाश स्रोत
- प्रकाश तकनीक - इनडोर और आउटडोर प्रकाश तकनीक, थ्री पॉइंट लाइटिंग
- विभिन्न प्रकार की रोशनी - हार्ड लाइट, सॉफ्ट लाइट, स्पॉटलाइट, मल्टी लाइट, स्कीमर का उपयोग, रिफ्लेक्टर का उपयोग, प्रकाश व्यवस्था (हाई की लाइटिंग, लो की लाइटिंग, रात में प्रकाश व्यवस्था और स्टूडियो प्रकाश व्यवस्था)

इकाई**-4.** वीडियो कैमरा **15** घंटे

- वीडियो कैमरा का अर्थ एवं महत्त्व एवं प्रकार
- वीडियो कैमरा का इतिहास
- वीडियो कैमरा सेट अप - फ्रेम प्रति सेकंड (एफपीएस), शटर स्पीड, एपर्चर, ISO), विभिन्न प्रकार के शॉट्स - एक्सट्रीम वाइड शॉट (ELS), लॉन्ग शॉट (LS) / वाइड शॉट (WS), फुल शॉट (FS), मीडियम लॉन्ग शॉट (MLS) / मीडियम वाइड शॉट (MWS), मीडियम शॉट (MS), मीडियम क्लोज अप (MCU), क्लोज अप (CU), एक्सट्रीम क्लोज अप (ECU), एस्टेब्लिशिंग शॉट), वीडियो कैमरा एंगल – आई लेवल शॉट (ELS), लो ऐंगल शॉट (LAS), हाई ऐंगल शॉट (HAS), हिप लेवल शॉट (HLS), नी लेवल शॉट (KLS), ग्राउन्ड लेवल शॉट (GLS), शोल्डर लेवल शॉट (SLS), बर्ड्स आई व्यू शॉट (BEVS), एरियल शॉट या हेलिकाप्टर शॉट (AS/HS)

प्रायोगिक कार्य **:** **30** घंटे

- टेलिविज़न विज्ञापन का निर्माण (30 सेकेंड)
- लघु फिल्म का निर्माण (1 से 3 मिनट)
- डाक्यूमेंट्री का निर्माण (5 मिनट से 15 मिनट)
- डाक्यूड्रामा का निर्माण (3 मिनट से 15 मिनट)
- वेब के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक एवं समकालीन विषयों पर वीडियो निर्माण (2 मिनट से 30 मिनट)

सहायक पुस्तकें **:**

- मोलिसॉन, मारथा. (2007). प्रोड्यूसिंग विडिओज – अ कम्प्लीट गाइड. एलेन उनवीन : साउथ एशियन एडिशन
- ब्राउन, बलैन. (2020). द बेसिक्स ऑफ फिल्ममैकिंग : स्क्रीन राइटिंग, प्रोड्यूसिंग, डाएरेक्टिंग, सिनेमॅटोग्राफी, ऑडियो एंड एडिटिंग. राऊटलेज.
- सिंह, परमवीर. (2022). वीडियो प्रोडक्शन.

Teaching-Learning Process (शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया)

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन के दौरान निम्नलिखित प्रक्रिया को अपनाया जाएगा –

कक्षा में विषय आधारित व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, सरल से जटिलतर अध्यापन की ओर उन्मुखता, जटिल विषयों पर कक्षा के अलावा विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान और वीडियो निर्माण प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण, वीडियो निर्माण कार्यशाला का आयोजन, कक्षा में इंटरएक्टिव मोड में अध्यापन, स्मार्ट क्लासरूम का प्रयोग, कैमरा तकनीक, प्रकाश व्यवस्था, संपादन, पटकथा विकास, निर्देशन शैली, आदि के द्वारा लघु फिल्म, लंबी फिल्में, टेलीविजन विज्ञापन, संगीत, मार्केटिंग वीडियो और वेब वीडियो का निर्माण।

DSE 5 मीडिया तकनीक (घ)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 5 मीडिया तकनीक (घ)	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- मीडिया तकनीक के ऐतिहासिक विकास और उनके सामाजिक प्रभावों से परिचित कराना।
- मीडिया तकनीक के सिद्धांतों और उनके प्रभावों से परिचित कराना।
- मीडिया उपकरणों और प्लेटफार्मों के व्यावहारिक अनुभव को विकसित करना।
- AI, AR/VR और ब्लॉकचेन सहित मीडिया तकनीक में उभरते रुझानों को विकसित करना।

Course Learning Outcomes

- छात्र मीडिया तकनीक के ऐतिहासिक विकास और उनके सामाजिक प्रभावों से परिचित होंगे।
- छात्र मीडिया तकनीक के सिद्धांतों और उनके प्रभावों से परिचित होंगे।
- छात्र मीडिया उपकरणों और प्लेटफार्मों के व्यावहारिक अनुभव को समझेंगे।
- छात्र AI, AR/VR और ब्लॉकचेन जैसे मीडिया तकनीक से परिचित होंगे।

इकाई**-1.** मीडिया तकनीक का परिचय **10** घंटे

- ऐतिहासिक विकास: प्रिंट से डिजिटल तक
- मुख्य अवधारणाएँ : अभिसरण, डिजिटलीकरण और अन्तरक्रियाशीलता
- गेमिंग, फिल्म और इंटरैक्टिव मीडिया में अनुप्रयोग और तकनीक का सामाजिक आकार (गोपनीयता, डीपफेक, गलत सूचना)

इकाई**-2.** मीडिया तकनीक के सिद्धांत **10** घंटे

- मार्शल मैक्लुहान और हरोल्ड इननिस : तकनीकी नियतिवाद (TD), पिन्च और बिजकर : तकनीकी की सामाजिक संरचना (SCOT)
- ब्रूनो लैटौर और मिशेल कैलन : अभिनेता-नेटवर्क सिद्धांत (एएनटी), जॉन बी. थॉम्पसन और रोजर सिल्वरस्टोन : मध्यस्थता के सिद्धांत (Theory of Mediation)
- जे डेविड बोल्टर और रिचर्ड ग्रुसिन : उपचार सिद्धांत (Remediation Theory), जीन बॉडरिलार्ड : मीडिया का उत्तर आधुनिक सिद्धांत (Postmodern Theories of Media)

इकाई**-3.** मीडिया तकनीक और डिजिटल सामग्री निर्माण **10** घंटे

- ग्राफ़िक डिज़ाइन, ऑडियो और वीडियो उत्पादन के लिए उपकरण
- ऑडियो और वीडियो सॉफ़्टवेयर : ऑडेसिटी(Audacity), प्रो टूल्स(Pro Tools) एडोब प्रेमिर प्रो (Adobe Premiere Pro), फाइनल कट प्रो(Final Cut Pro) और दविंसी रिज़ॉल्व(DaVinci Resolve), डिजिटल प्रारूप (जैसे, MP3, MPEG, MP4, 4K, 8K)
- वेब विकास (HTML, CSS, JavaScript) और मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म (मोबाइल ऐप इंटरफ़ेस, 360-डिग्री वीडियो और क्रॉस-प्लेटफ़ॉर्म मीडिया)

इकाई**-4.** स्ट्रीमिंग मीडिया तकनीक और क्लाउड टेक्नोलॉजीज **15** घंटे

- वीडियो/ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क (CDN) और क्लाउड स्टोरेज
- कंटेंट निर्माण के लिए AI: जनरेटिव AI (जैसे, ChatGPT, Gemini, DALL-E) और ब्लॉकचेन तकनीक
- संवर्धित वास्तविकता (AR) और आभासी वास्तविकता (VR) टूल और प्लेटफॉर्म को समझना

प्रायोगिक कार्य : 30 घंटे

- वीडियो/ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का डिजिटल डॉक्यूमेंट तैयार करना।
- कंटेंट निर्माण के लिए जनरेटिव AI कंटेंट की सीरीज तैयार करना
- संवर्धित वास्तविकता (AR) और आभासी वास्तविकता (VR) टूल कंटेंट पर प्रोजेक्ट तैयार करना
- मीडिया तकनीक के सिद्धांत का प्रयोग कर अभिसरण, डिजिटलीकरण और अन्तरक्रियाशीलता पर प्रोजेक्ट तैयार करना।
- ग्राफ़िक डिज़ाइन, ऑडियो और वीडियो उत्पादन के लिए उपकरण का प्रयोग कर गेमिंग, फिल्म और इंटरैक्टिव मीडिया पर प्रोजेक्ट तैयार करना।
- पॉडकास्ट बनाना, वेबसाइट डिज़ाइन करना।
- मीडिया कंपनियों द्वारा नई तकनीकों को अपनाने का केस स्टडी और उसका विश्लेषण
- पत्रकारिता में तकनीक की भूमिका: पारंपरिक रिपोर्टिंग से डेटा-संचालित पत्रकारिता तक का केस स्टडी एवं विश्लेषण
- मनोरंजन उद्योगों पर तकनीक के प्रभाव का विश्लेषण जैसे, फ़िल्म, गेमिंग और संगीत आदि पर।
- मीडिया उत्पादन सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके व्यावहारिक असाइनमेंट।
- वास्तविक दुनिया की समस्या को हल करने के लिए उन्नत मीडिया उपकरणों का उपयोग करके व्यक्तिगत या टीम परियोजना।

सहायक पुस्तकें :

- रत्न,कृष्ण कुमार. नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता, हरियाणा साहित्य अकादमी
- सिंह, भारत. संचार, माध्यम और तकनीक, मनीष प्रकाशन, वाराणसी
- कुमार, सुरेश. ऑनलाइन मीडिया,पियरसन एजुकेशन इंडिया
- सिंह, अजय कुमार. मीडिया की बदलती भाषा, रेखता बुक्स
- मीडिया तकनीक और संचार क्रांति, डॉ. संजय द्विवेदी, अवधेश प्रकाशन
- डिजिटल मीडिया: एक परिचय, सुरेश कुमार,पियरसन इंडिया
- ऑडियो-विजुअल मीडिया और तकनीक, ममता शर्म, किताब महल
- Understanding Media: The Extensions of Man, Marshall McLuhan
- Convergence Culture: Where Old and New Media Collide, Henry Jenkins
- Media Technologies: Essays on Communication, Materiality, and Society,Editors: Tarleton Gillespie, Pablo J. Boczkowski, and Kirsten A. Foot
- The Language of New Media, Lev Manovich
- Digital Media: A Handbook, Simon Lindgren
- New Media: A Critical Introduction, Authors: Martin Lister, Jon Dovey, Seth Giddings, Iain Grant, and Kieran Kelly
- Artificial Intelligence and Journalism: Algorithms, Automation, and News, Seth Lewis
- Media and Society: A Critical Perspective, Arthur Asa Berger

Teaching-Learning Process (शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया)

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन के दौरान निम्नलिखित प्रक्रिया को अपनाया जाएगा –

कक्षा में विषय आधारित व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, सरल से जटिलतर अध्यापन की ओर उन्मुखता, जटिल विषयों पर कक्षा के अलावा विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान और कार्यशाला का आयोजन, कक्षा में इंटरएक्टिव मोड में अध्यापन, स्मार्ट क्लासरूम का प्रयोग, ChatGPT, Gemini, DALL-E और ब्लॉकचेन तकनीक के द्वारा प्रोजेक्ट तैयार करना, वीडियो/ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म कंटेंट निर्माण और उसका प्रोजेक्ट पर प्रदर्शन, TD, SCOT, ANT, Theory of Mediation, Remediation Theory, Postmodern Theories of Media, आदि के मीडिया तकनीक का सैद्धांतिक प्रयोग, मोबाइल ऐप इंटरफ़ेस और क्रॉस-प्लेटफ़ॉर्म मीडिया बुनियादी संचालन और कार्यों को प्रैक्टिकल करना। प्रैक्टिकल-प्रोजेक्ट के लिए छात्रों को बाहर ले जाया जा सकता है।

(Generic Elective) GE मीडिया और जेंडर स्टडीज़ (क)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE मीडिया और जेंडर स्टडीज़ (क)	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- लिंग और जेंडर की मूलभूत अवधारणा से परिचित कराना।
- मीडिया की कार्य-संस्कृति में जेंडर से संबंधित मुद्दों की जानकारी देना।
- पितृसत्ता एवं मातृसत्ता की अवधारणा की समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी लिंग और जेंडर की मूल अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।
- छात्र मीडिया में जेंडर से संबंधित मुद्दों के प्रति संवेदनशील होंगे।
- स्त्रीतत्व तथा पुरुषत्व की अवधारणाओं का आलोचनात्मक अध्ययन कर पाएंगे।

इकाई**-1.** मीडिया और जेंडर स्टडीज **:** परिचय और मुद्दे **10** घंटे

- जेंडर स्टडीज : अर्थ, अवधारणा, उद्देश्य, प्रकार,
- संस्कृतिकरण और जेंडर, जेंडर संबंधी पूर्वाग्रह, संघर्ष और मीडिया
- जेंडर संबंधी मुद्दे : पहचान, अस्मिता, नागरिकता संबंधी प्रश्न

इकाई**- 2.** स्त्री और मीडिया **10** घंटे

- स्त्रीवादी चिंतन की भारतीय अवधारणा
- लैंगिकता का निर्माण, मीडिया में ट्रांसजेंडर
- मीडिया में लैंगिक असमानता: समाचार कवरेज, परिचर्चा, विशेष कार्यक्रम

इकाई**-3.** मीडिया में महिलाएँ**:** विविध परिप्रेक्ष्य **10** घंटे

- मीडिया संस्थानों में कार्यरत महिलाओं की स्थिति (वेतन, भेदभाव, उत्पीड़न)
- लैंगिकता का नियमन : विषम कार्य-समय, सॉफ्ट स्टोरी बीट,
- मीडिया में आदिवासी, दलित, खानाबदोश, संभ्रांत तथा कामकाजी महिलाओं का कवरेज

इकाई**-4.** स्त्री छवि और मीडिया कानून **15** घंटे

- मीडिया में स्त्री छवि: प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोप ओपेरा, फिल्म्स, डिजिटल, विज्ञापन और वीडियो गेम
- मीडिया में जेंडर विषयक सामग्री और उसकी भाषा
- जेंडर संबंधी संवैधानिक प्रावधान: समानता का अधिकार, यौन उत्पीड़न संबंधी कानून, जेंडर संबंधी कानून

प्रायोगिक कार्य **:** **30** घंटे

- मुख्यधारा मीडिया तथा वैकल्पिक मीडिया में जेंडर विषयक खबरों की रिपोर्ट प्रस्तुति।
- जेंडर पर समूह चर्चा और वार्ता।
- मीडिया में जेंडर विषयक कार्यक्रमों का अध्ययन एवं परियोजना कार्य।
- मीडिया में कार्यरत महिला मीडियाकर्मी से भेंटवार्ता, साक्षात्कार।
- सर्वे के आधार पर मीडिया में महिलाओं की भागीदारी, वेतन, कार्यक्रम की प्रकृति तथा कार्य-घंटे पर रिपोर्ट प्रस्तुति।

सहायक पुस्तकें **:**

- संपादक- किरण प्रसाद, वूमेन एंड मीडिया : चैलेंजिंग फेमिनिस्ट डिस्कोर्स, द वूमेन प्रेस, दिल्ली

- कृष्ण कुमार, चूड़ी बाजार में लड़की, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- शिक्षा में जेंडर विमर्श' राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र (2008) नई दिल्ली, एनसीआरटी
- नारी चेतना के आयाम, अलका प्रकाश, लोकभारती पुस्तक विक्रेता तथा वितरक, इलाहाबाद
- नारी प्रश्न, सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- समकालीन नारीवाद और दलित स्त्री का प्रतिरोध, अनीता भारतीय, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारत में स्त्री असमानता, डॉ. गोपा जोशी, दिल्ली विश्वविद्यालय: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय
- आधी दुनिया का सच, कुमुद शर्मा, सामयिक प्रकाशन
- सुरेश ओझा, महिला कानून, प्रकाशन वर्ष- 2019, वाग्देवी प्रकाशन
- महादेवी वर्मा, श्रंखला की कड़ियाँ, लोकभारती प्रकाशन
- शर्मा, कुमुद, आधी दुनिया का सच, सामयिक पेपरबैक्स

(Generic Elective) GE-स्वास्थ्य एवं संस्कृति संबंधी पत्रकारिता (ख)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-स्वास्थ्य एवं संस्कृति संबंधी पत्रकारिता (ख)	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- स्वास्थ्य और अध्यात्म संचार से अवगत कराना
- सांस्कृतिक पत्रकारिता के विविध पक्षों की जानकारी देना
- स्वास्थ्य और सांस्कृतिक पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार की संभावना से अवगत कराना

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी स्वास्थ्य और अध्यात्म संचार के बारे में जान सकेंगे।
- सांस्कृतिक पत्रकारिता को समझ सकेंगे।
- स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार की संभावना तलाश सकेंगे।

इकाई**-1.** स्वास्थ्य संचार**:** सिद्धांत**,** स्वरूप और परिवेश **10** घंटे

- स्वास्थ्य संचार, आवश्यकता एवं सिद्धांत
- महत्व और वर्तमान स्थिति
- स्वास्थ्य संचार के क्षेत्र एवं कार्य
- स्वास्थ्य संचार की प्रक्रिया एवं संचार के उपकरण

इकाई**-2.** जन स्वास्थ्य के परिप्रेक्ष्य में स्वास्थ्य पत्रकारिता **10** घंटे

- प्राकृतिक और राष्ट्रीय आपदा: स्वास्थ्य संचार की चुनौतियाँ एवं बाधाएँ
- स्वास्थ्य संचार के सामाजिक-सांस्कृतिक और नैतिक व कानूनी आयाम
- जन स्वास्थ्य और मीडिया
- प्रभावी स्वास्थ्य संचार अभियान निर्माण

इकाई**-3.** सांस्कृतिक पत्रकारिता **10** घंटे

- सांस्कृतिक पत्रकारिता की अवधारणा
- सांस्कृतिक पत्रकारिता की आवश्यकता एवं महत्व
- सांस्कृतिक पत्रकारिता के माध्यम (समाचार पत्र, पॉडकास्ट, टेलीविजन, सोशल मीडिया)

इकाई**-4.** सांस्कृतिक पत्रकारिता के विविध आयाम **15** घंटे

- धर्म, धर्म और रिलीजन
- अध्यात्म: अर्थ, अवधारणा, अध्यात्म का भारतीय दृष्टिकोण
- प्रमुख पर्व, त्यौहार,सांस्कृतिक विरासत

प्रायोगिक कार्य **:** **30** घंटे

- किसी सरकारी या निजी अस्पताल के संचार प्रक्रिया का अध्ययन करना
- किसी स्वास्थ्य या अध्यात्म से जुड़ी हस्ती का साक्षात्कार करना
- किसी स्वास्थ्य अभियान केस स्टडी तैयार करना
- स्वास्थ्य या अध्यात्म संबंधी विषय पर वीडियो रिपोर्ट या वृत्तचित्र बनाना
- मीडिया में सांस्कृतिक पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति पर रिपोर्ट तैयार करना

सहायक पुस्तकें **:**

- भारत में स्वास्थ्य पत्रकारिता -यशवंत कोठारी, चौखंभा संस्कृत प्रतिष्ठान प्रकाशन
- स्वास्थ्य पत्रकारिता -रूपचंद गौतम
- Medical journalism -Divyanshu Kumar ,Priyanka Publication
- Yoga education and Spiritual Journalism -Ajay Bhardwaj ,Kanishka Publishers
- आध्यात्मिक पत्रकारिता, प्रोफेसर सुखनंदन सिंह
- पत्रकारिता के विविध आयाम, डॉ. दीनानाथ साहनी, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी

- Spiritual Journalism, Prof. Sukhnandan Singh, Evincepub Publishing
- सांस्कृतिक पत्रकारिता, डॉ. टी.डी.एस. आलोक, हरियाणा साहित्य अकादमी
- सांस्कृतिक रिपोर्टिंग, साक्षी गौतम, एकेडेमिक पब्लिकेशन
- मीडिया और संस्कृति, रूपचंद गौतम, श्री नटराज प्रकाशन

(Generic Elective) GE कॉर्पोरेट संचार एवं जनसम्पर्क (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE कॉर्पोरेट संचार एवं	4	3		1	12th Pass	NIL

जनसम्पर्क (ग)						

Learning Objective

- विद्यार्थियों में कॉर्पोरेट संचार की एक बुनियादी समझ बनाने के लिए, कॉर्पोरेट संचार और पीआर की विभिन्न जटिलताओं से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को उन कॉर्पोरेट संचार के मुख्य गतिविधियों से परिचित कराना।
- जनसंपर्क, विज्ञापन और विपणन के बीच अंतर की समझ पैदा करना।

Course learning outcomes

- विद्यार्थियों को कॉरपोरेट संगठन और उनके विभिन्न संचार भूमिकाओं से परिचित होने और सीखने का अवसर प्राप्त होगा।
- विद्यार्थी कॉर्पोरेट संचार और जनसंपर्क प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थियों को जनसंपर्क और कॉर्पोरेट संचार के संगठनात्मक संदर्भ को सीखने का अवसर प्राप्त होगा।
- जनसम्पर्क में प्रभावी संचार के लिए आवश्यक कौशल की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई**-1.** कॉर्पोरेट संचार **10** घंटे

- कॉर्पोरेट संचार : स्वरूप और विकास
- कॉर्पोरेट संचार के प्रकार, विशेषताएं और सीमाएं
- कॉर्पोरेट संचार के तत्त्व और उपकरण - कर्मचारी संबंध, मीडिया संबंध, उपभोक्ता संबंध, निवेशक संबंध, प्रभावित करने वाले संबंध, हितधारक, गैर-लाभकारी सार्वजनिक संबंध, कॉर्पोरेट समुदाय की भागीदारी और संबंधित विपणन।

इकाई**-2.** कॉर्पोरेट संचार **:** रणनीतियाँ और अनुप्रयोग **10** घंटे

- कॉर्पोरेट प्रशासन, कॉर्पोरेट पहचान, कॉर्पोरेट विज्ञापन
- ब्रांड निर्माण में कॉर्पोरेट संचार, वित्तीय बाजार और संचार
- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत विकास

इकाई**-3.** जनसम्पर्क **10** घंटे

- जनसम्पर्क - अवधारणा, परिभाषा, भूमिका, कार्य, नए उभरते रुझान
- जनसंपर्क का संक्षिप्त इतिहास और कॉर्पोरेट संचार - ऐतिहासिक संबंध।
- जनसंपर्क के सिद्धांत और मॉडल - जेएम ग्रुनिंग का सिमेट्रिकल जनसम्पर्क मॉडल, ऐसिमेट्रिकल जनसंपर्क सिद्धांत, संगठनात्मक जनसंपर्क सिद्धांत, संघर्ष जनसंपर्क सिद्धांत, संरचनात्मक-कार्यात्मक जनसंपर्क सिद्धांत, उत्कृष्टता जनसंपर्क सिद्धांत

इकाई**-4.** जनसम्पर्क **:** रणनीतियाँ और अनुप्रयोग **15** घंटे

- जनसम्पर्क प्रचार उपकरण- प्रेस कॉन्फ्रेंस, प्रेस विज्ञप्ति, बैठकें, घोषणाएँ, कॉर्पोरेट मार्केटिंग सेवाएँ, प्रचार, प्रचार और विज्ञापन
- जनसम्पर्क और ब्रांड पहचान, छवि और प्रतिष्ठा, नैतिकता और जिम्मेदारियाँ, जनमत, संकट प्रबंधन, प्रतिष्ठा निर्माण, जनसम्पर्क अभियान और मूल्यांकन, सरकारी जनसम्पर्क, लॉबिंग, सार्वजनिक मामले और राजनीतिक जनसम्पर्क।
- इन-हाउस जनसम्पर्क - संरचना, भूमिका और कार्य, जनसम्पर्क कंसल्टेंसी- संरचना, भूमिका और कार्य, इन-हाउस जनसम्पर्क और जनसम्पर्क कंसल्टेंसी के बीच अंतर, जनसम्पर्क प्रक्रिया अभियान : शोध, रणनीति, माप, मूल्यांकन और प्रभाव

प्रायोगिक कार्य**:** **30** घंटे

- कॉर्पोरेट संचार और जनसंपर्क के लिए कंटेंट निर्माण करना।
- कॉर्पोरेट संचार और जनसम्पर्क के लिए किसी सामाजिक मुद्दे पर ऑडियो निर्माण करना।
- कॉर्पोरेट संचार और जनसम्पर्क के लिए ब्लॉग बनाना, फीचर और लेख लिखना।
- कॉर्पोरेट संचार के लिए विज्ञापन का निर्माण करना।
- किसी एक कंपनी के कॉर्पोरेट संचार के रणनीतियों का मूल्यांकन करना।
- किसी दो कॉर्पोरेट संचार का केस स्टडी कर उसका विश्लेषण करना।
- किसी एक सरकारी एवं एक प्राइवेट कंपनी के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी (कॉर्पोरेट का सामाजिक उत्तरदायित्व) का तुलनात्मक विश्लेषण करना।

सहायक सामग्री:

- पंत, एन, सी. (2004). जनसम्पर्क, विज्ञापन एवं प्रसार माध्यम, तक्षशिला प्रकाशन. नई दिल्ली।
- Danny, M., & Desanto, B., (2011). Public Relations: A Managerial Perspective, SAGE.
- Gregory, A., (2008). Public Relations in Practice, (2nd edition), Kogan Page India Pvt. Ltd.
- Jethwaney, J., & Sarkar, N. N., (2015). Public Relations Management, Sterling Publishers.
- Jugenheimer, D. W., Bradley, S. D., Kelley, L. D., & Hudson, J. C., (2014). Advertising and Public Relations, (2nd edition), Routledge.
- L'etang, J., (2008). Public Relations, Concepts, Practice and Critique, SAGE.
- Parsons, Patricia, J., (2005). Ethics in Public Relations: A Guide to Best Practice, Kogan Page.
- Prabhakar, Naval ,N.Basu (2021). Public Relations Strategies and Concepts. New Delhi: Common Wealth.
- PRSA. APR Study Guide, PRSA New York.
- Pushpendra, P.Singh, Sameer(2022). Public Relations Management. New Delhi: JNANADA.
- Puthenthara, M., (2012). Perspectives of Public Relations, DC Books.
- Smith, D. R., (2012). Becoming A Public Relations Writer, (4th edition), Routledge.
- Theaker, A., & Yaxley, H., (2013). The Public Relations Strategic Toolkit, Routledge.
- Theaker, A., (2012). The Public Relations Handbook, (4th edition), Routledge.
- Rath, & Chand. (2020, December 23).A Question of Trust, Pan Macmillan India
- Coombs, W. T., & Holladay, S. J. (2014). It's Not Just PR: Public Relations in Society (2nd ed.).Atlantic Publishers.
- Moloney, K., & McGrath, C. (2020). Rethinking Public Relations. Routledge.
- Lipschultz, J.H. (2020). Social Media Measurement and Management. Routledge.
- Kaul, A., & Chaudhri, V. (2017). Corporate Communication Through Social Media. Sage.
- Singh, C.L., & Gupta, M. (2023). Introduction to Corporate Communication. Routledge.
- Murgan, A. (2018). Event Management. Avon Publication.

(Project Work) परियोजना कार्य (1)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
परियोजना कार्य **(1)**	**2**	**0**	**0**	**2**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- विभिन्न प्रकार की मीडिया परियोजनाओं को समझाना।

- वृत्तचित्र, पॉडकास्ट, समाचार रिपोर्ट, सोशल मीडिया अभियान, विज्ञापन संबंधित मीडिया परियोजनाओं का परिचय कराना।
- परियोजना के विषय को चुनना और उसके उद्देश्यों को परिभाषित कराना।
- मीडिया प्रोडक्शन में नैतिक विचार और अनुसंधान को समझाना।
- साक्षात्कार की योजना बनाना और स्रोत जुटाना।
- लक्ष्यित दर्शकों की पहचान करना।
- तथ्यों की जाँच और सटीकता के लिए सामग्री की समीक्षा को समझाना।
- फ़ोटोग्राफ़ी, वीडियोग्राफ़ी और ऑडियो रिकॉर्डिंग, संपादन उपकरण (एडोब प्रीमियर, ऑडेसिटी, कैनवा, आदि), सोशल मीडिया रणनीतियाँ, इन्फोग्राफ़िक्स और मल्टीमीडिया सामग्री, स्क्रिप्टिंग और स्टोरीबोर्डिंग आदि संबंधित विषय पर परियोजना कार्य करवाना।

Course Learning Outcomes

- विभिन्न प्रकार की मीडिया परियोजनाओं की समझ होगी।
- वृत्तचित्र, पॉडकास्ट, समाचार रिपोर्ट, सोशल मीडिया अभियान, विज्ञापन संबंधित मीडिया परियोजनाओं को बनाएंगे।
- परियोजना के विषय को चुनना और उसके उद्देश्यों को परिभाषित करेंगे।
- मीडिया प्रोडक्शन में नैतिक विचार और उसके अनुसंधान को समझेंगे।
- साक्षात्कार की योजना बनाएंगे और स्रोत जुटाएंगे।
- लक्ष्यित दर्शकों की पहचान कारेंगें।
- तथ्यों की जाँच और सटीकता के लिए सामग्री की समीक्षा को समझाएंगे।
- फ़ोटोग्राफ़ी, वीडियोग्राफ़ी और ऑडियो रिकॉर्डिंग, संपादन उपकरण (एडोब प्रीमियर, ऑडेसिटी, कैनवा, आदि), सोशल मीडिया रणनीतियाँ, इन्फोग्राफ़िक्स और मल्टीमीडिया सामग्री, स्क्रिप्टिंग और स्टोरीबोर्डिंग आदि संबंधित विषय पर परियोजना कार्य तैयार करेंगे।

Syllabus

60 घंटे

- मीडिया अनुसंधान और प्री-प्रोडक्शन
- आध्यात्म संचार कौशल
- शोध की मीडिया उत्पादन तकनीकें
- मोबाइल पत्रकारिता और कम बजट का उत्पादन संबंधी शोध
- डिजिटल मीडिया और शोध
- दृश्य, ऑडियो और शोध
- पोस्ट-प्रोडक्शन और शोध
- वीडियो/ऑडियो संपादन तकनीकें और शोध
- वॉयसओवर, संगीत और शोध
- मीडिया उद्योग और शोध
- डिजिटल मीडिया, पत्रकारिता और शोध
- मीडिया उत्पादन में कैरियर और शोध
- संचार की रचनात्मक प्रतिक्रिया और शोध

Semester - 8

बी.ए.आनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

Category I

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

DSC 20 संपादकीय लेखन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		

DSC संपादकीय लेखन	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- संपादकीय का महत्त्व बताना
- संपादकीय लेखन से परिचित कराना
- संपादकीय लेखन में दक्ष बनाना

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी संपादकीय का महत्व समझ सकेंगे
- संपादकीय तकनीक से परिचित होंगे
- संपादकीय लेखन में दक्ष बनकर रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सक्षम होंगे

इकाई**-1,** संपादकीय का परिचय **10** घंटे

- संपादन : अर्थ, उद्देश्य और महत्व
- संपादन और पुनर्लेखन
- संपादन के सिद्धांत

इकाई**–2,** समाचार संपादन **10** घंटे

- कॉपी संपादन, ऑनलाइन संपादन
- ग्राफिक्स, कार्टून,फोटो चयन और संपादन
- लेआउट, डिजाइन और पेज मेकअप

इकाई**-3,** संपादकीय तकनीक **10** घंटे

- संपादकीय पृष्ठ की संरचना और संपादकीय विभाग
- संपादकीय नीति और स्टाइल पुस्तिका
- संपादकीय चिन्ह और प्रूफ संशोधन

इकाई**-4,** संपादकीय एवं विशेष लेखन **15** घंटे

- संपादकीय लेखन और उसकी विशेषताएं
- अग्रलेख, फीचर, नियमित स्तंभ, साक्षात्कार
- टिप्पणी, विश्लेषण, समीक्षा,संपादक के नाम पत्र

प्रायोगिक कार्य : **30** घंटे

- संपादकीय पृष्ठ का डमी निर्माण
- किन्हीं दो समाचार पत्र के संपादकीय पृष्ठ की तुलना
- किन्हीं दो समकालीन महत्वपूर्ण विषयों पर संपादकीय लेखन करना

सन्दर्भ पुस्तकें :

- संपादन कला- के.पी. नारायण, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, मध्यप्रदेश
- प्रोफेशनल जर्नलिज्म - एम.वी. कामथ - विकास पब्लिशिंग हाउस
- समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला- डॉ. हरिमोहन- तक्षशिला प्रकाशन
- टेक्सबुक ऑफ़ एडिटिंग एंड रिर्पोटिंग - एम.के. जोसेफ – विज़्डम प्रेस
- न्यूज़ एडिटिंग एंड रिर्पोटिंग- मधु सेळवराज – डोमीनेन्ट पब्लिशर्स एंड डिस्टरीबूटर
- द एडिटोरियल आई - टी. हैरिंगटन- बेडफोर्ड सैंट मार्टिन, बोस्टन

DSE 6 राष्ट्रीय सुरक्षा एवं मीडिया (क)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 6 राष्ट्रीय सुरक्षा एवं मीडिया (क)	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा को समझाना।
- राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों की व्याख्या और विश्लेषण से परिचित कराना।

- राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत के समकालीन मीडिया नेटवर्क के अंतर्संबंध को समझाते हुए फेक न्यूज, मिस इन्फॉर्मेशन और प्रोपेगेंडा से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा से परिचित होंगे।
- राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों की व्याख्या से परिचित होंगे।
- राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया नेटवर्क और भारत के समकालीन मीडिया नेटवर्क के अंतर्संबंध को समझाते हुए फेक न्यूज, मिस इन्फॉर्मेशन और प्रोपेगेंडा से परिचित होंगे।

इकाई-**1.** राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया **10** घंटे

- राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया : अवधारणा, कारक और ऐतिहासिक विकास
- पारंपरिक एवं गैर-पारंपरिक सुरक्षा और मीडिया
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया

इकाई**- 2.** मीडिया की भूमिका, राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत **10** घंटे

- राष्ट्रीय सुरक्षा में मीडिया उपकरण : डिश इन्फॉर्मेशन, दुष्प्रचार और मनोवैज्ञानिक वारफेयर
- दबावपूर्ण कूटनीति, मीडिया और राष्ट्रीय सुरक्षा
- संकट प्रबंधन में मीडिया, साइबर खतरा और राष्ट्रीय सुरक्षा

इकाई**- 3.** राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया के सिद्धांत **10** घंटे

- रचनात्मक दृष्टिकोण का सिद्धांत और फ्रेमिंग थ्योरी
- सुरक्षा करण सिद्धांत और एजेंडा-सेटिंग सिद्धांत
- सूचना युद्ध सिद्धांत और प्रचार मॉडल का सिद्धांत (Theory of Propaganda Model - Herman & Chomsky)

इकाई**- 4.** भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया **15** घंटे

- साइबर सुरक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा: वर्तमान स्थिति और संभावनाएँ
- मीडिया रिपोर्टिंग तथा सीमा सुरक्षा (भारत-चीन सीमा संघर्ष, भारत-पाकिस्तान संघर्ष, भारत की समुद्री सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक रणनीति)
- क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा में भारत की भूमिका और हिंदी मीडिया: नक्सलवाद, पूर्वोत्तर भारत में उग्रवाद, (सार्क, क्वॉड, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन)

प्रायोगिक कार्य : **30** घंटे

1. राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया प्रणालियाँ और मॉडल को विश्लेषित करना।
2. राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया प्रणालियों का तुलनात्मक विश्लेषण करना (सत्तावादी, स्वतंत्रतावादी, सामाजिक उत्तरदायित्व, विकासात्मक)
3. राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया पैटर्न का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. राष्ट्रीय सुरक्षा और मीडिया के पारंपरिक बनाम गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों का अध्ययन।
5. राष्ट्रीय सुरक्षा के सिद्धांत (यथार्थवाद, उदारवाद, रचनावाद, सुरक्षा सिद्धांत) का अध्ययन।
6. भारत के सुरक्षा का संवैधानिक और संस्थागत ढांचा और मीडिया का अध्ययन।
7. राष्ट्रीय सुरक्षा के कैबिनेट समिति (CCS) की भूमिका और मीडिया का अध्ययन।
8. राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, खुफिया एजेंसियां, रक्षा और अर्धसैनिक बल और मीडिया का अध्ययन।
9. भारत की बाहरी सुरक्षा चुनौतियाँ, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय विवाद, साइबर सुरक्षा और सूचना युद्ध का अध्ययन।
10. क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा में भारत की भूमिका (SAARC, QUAD, UN शांति स्थापना) और मीडिया का अध्ययन।

सहायक पुस्तकें :

- K. Subrahmanyam – India's Security Perspectives
- Jaswant Singh – Defending India
- Rajesh Basrur – India's Strategic Thought
- C. Raja Mohan – Modi's World: Expanding India's Sphere of Influence
- David Malone – Does the Elephant Dance? Contemporary Indian Foreign Policy
- Raghavan, P.S. (2019), "The Evolution of India"s National Security Architecture", Journal of Defence Studies.
- Baldwin, D.A. (1997), "The concept of security", Review of International Studies, (23), 5-26.

- Grizold, A. (1994), “The Concept of National Security in the Contemporary World”, International Journal of World Peace, 11(3), 37-53.
- Lantis, J.S. (2002), “Strategic Culture and National Security Policy”, International Studies, 4(3), 87-113.
- Singh, B. (2004), “India‟s Security Concerns: National, Regional and Global”, The Indian Journal of Political Science, 65(3), 534-364.
- Blanchette, J. (2020), “Ideological Security as National Security”, Center for Strategic and International Studies, 1-13.
- Brewster, D. (2010), “An Indian Sphere of Influence in the Indian Ocean? Security Challenges, 6(3): 1-20.
- Hagerty, D.T. (1991), “India‟s Regional Security Doctrine”, Asian Survey, 31(4): 351-363.
- Mohan, C.R. (2006), “India and the Balance of Power”, Foreign Affairs, 85(4): 17-32.
- Srivastava, R. (2019), “A National Security Strategy: Need of an Emerging Power”, World Affairs: The Journal of International Issues, 23(4): 96-105.
- Sibal, K. (2019), “The Role of Military Diplomacy in India‟s Foreign Policy”, World Affairs: The Journal of International Issues, 23(1): 24-37.
- Liebig, M. (2013), “Kautilya‟s Relevance for India Today”, India Quarterly, 69(2): 99-116.
- Dalmia, T. & Malone, M.M. (2012), “Historical influences on India‟s foreign policy”, International Journal, 67(4): 1029-1049.
- Babu, S.D. (2003), “India’s National Security Council: Stuck in the Cradle? Security Dialogue, 34(2): 215-230.

DSE 6 आर्थिक एवं व्यावसायिक पत्रकारिता (ख)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 6 आर्थिक एवं व्यावसायिक पत्रकारिता **(ख)**	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- आर्थिक व्यावसायिक मुद्दों की समझ विकसित करना।
- आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता में लेखन कौशल विकसित करना।
- आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता क्षेत्र में रोजगार परक संभावनाओं की ओर छात्र-छात्राओं को उन्मुख करना।

Course Learning Outcomes

- आर्थिक व्यावसायिक क्षेत्र में आर्थिक मुद्दों की समझ विकसित होगी
- छात्र-छात्राएँ आर्थिक व्यावसायिक रिपोर्टिंग करने में सक्षम होंगे |
- छात्र-छात्राओं को कैरियर निर्माण करने में सफलता मिलेगी |

इकाई-**1.** आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता **:** सामान्य परिचय **10** घंटे

- आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता –स्वरूप प्रकार और उद्देश्य
- आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता का विकास
- उदारीकरण और आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता का वैश्विक परिदृश्य

इकाई-**2.** आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता**:** जनमाध्यमों में प्रस्तुति **10** घंटे

- प्रमुख आर्थिक व्यावसायिक पत्र पत्रिकाएँ,आर्थिक व्यावसायिक पृष्ठ संरचना, आर्थिक व्यावसायिक रिपोर्ट लेखन, आर्थिक व्यावसायिक फोटोग्राफी
- आर्थिक व्यावसायिक प्रमुख न्यूज़ चैनल्स और डिजिटल माध्यमों में आर्थिक व्यावसायिक कंटेंट प्रस्तुति
- रेडियो , सोशल मीडिया और प्रमुख वेबसाइट्स और एप्स में आर्थिक व्यावसायिक समाचार प्रस्तुति

इकाई-**3.** आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता **:** लेखन कौशल **10** घंटे

- आर्थिक व्यावसायिक मुद्दे और लेखन कौशल , भाषिक संरचना
- आर्थिक व्यावसायिक संपादकीय लेखन, आर्थिक समीक्षात्मक लेख और आलोचनात्मक लेखन
- बाजार शेयर मार्केट न्यूज़, बिजनेस न्यूज़, साक्षात्कार, टी वी परिचर्चा, वृतचित्र निर्माण, पॉडकास्ट निर्माण

इकाई-**4.** आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता और आचार संहिता **10** घंटे

- आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता और नैतिकता
- आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता संबंधी पारिभाषिक शब्दावली
- आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता - चुनौतियां और संभावनाएं

प्रायोगिक कार्य **:**

- आर्थिक व्यावसायिक पत्र पत्रिकाओं की सामग्री का अध्ययन करना और एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुति।
- टेलीविज़न के लिए आर्थिक व्यावसायिक कार्यक्रम – बिसनेस न्यूज़ बुलेटिन ,आर्थिक समीक्षा या साक्षात्कार का निर्माण करना। (5 मिनट की अवधि)
- समसामयिक आर्थिक व्यावसायिक मुद्दों संबंधी केस स्टडी।
- आर्थिक व्यावसायिक मुद्दों को केंद्र में रखते हुए न्यूज लेटर निर्माण करना।
- सामूहिक कार्य के अंतर्गत आर्थिक व्यावसायिक विषयों पर केंद्रित 20 पृष्ठ की पत्रिका निर्मित करना।

सहायक पुस्तकें **:**

- आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता - आलोक पुराणिक, प्रभात प्रकाशन
- आर्थिक पत्रकारिता - भरत झुनझुनवाला, संपादन रूप चंद्र गौतम, श्री नटराज प्रकाशन
- आर्थिक व्यावसायिक पत्रकारिता - हिमांशु शेखर, डायमंड पॉकेट बुक्स दिल्ली
- BUSINESS JOURNALISM – Keith Hayes, Apress Berkeley CA
- Business Correspondence & Reporting – Dr C.B. Gupta, Anuradha Singh Taxmann Publications

DSE 6 पत्रकारिता की भारतीय विरासत (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 6 पत्रकारिता की भारतीय विरासत (ग)	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- विद्यार्थी को भारतीय पत्रकारिता की ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराना ।
- स्वाधीनता संग्राम के मूल्यों का बोध कराना ।
- चर्चित पत्रों का विस्तार से परिचय देना ।

Course Learning Outcomes

- पत्रकारिता की महान विरासत से परिचित होंगे ।
- स्वाधीनता की महान मूल्य परंपरा और संघर्ष को जानेंगे।
- चर्चित पत्रों का विस्तृत अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई-1. पत्रकारिता की भारतीय विरासत –ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य **10** घंटे

- पत्रकारीय विरासत
- राजनीतिक विरासत
- सामाजिक विरासत
- सांस्कृतिक विरासत

इकाई-2. पत्रकारीय विरासत के आधार स्तंभ **10** घंटे

- भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी ,बाबूराव विष्णु पराड़कर ,गणेश शंकर विद्यार्थी
- प्रेमचंद, माखनलाल चतुर्वेदी, महात्मा गांधी ,मदन मोहन मालवीय
- दीनदयाल उपाध्याय, डा. भीमराव अम्बेडकर ,राजेंद्र माथुर ,प्रभाष जोशी

इकाई-3. पत्रकारिता विरासत के प्रस्थान बिंदु **10** घंटे

- उदंत मार्तंड, हरिश्चंद्र चंद्रिका, सरस्वती
- हंस, कर्मवीर, आज
- प्रताप, केसरी, मूकनायक, राष्ट्र धर्म

इकाई-4. पत्रकारीय विरासत के प्रमुख बिन्दु **15** घंटे

- स्वाधीनता, देशप्रेम और स्वराज चेतना, साम्राज्यवाद विरोध, भेदभाव निर्मूलन
- समरसता, शोषण और अन्याय विरोध, अंध विश्वास और रूढ़िवाद विरोध ,वैज्ञानिक चेतना का प्रसार
- सशक्त और समृद्ध भारत का स्वप्न, लोकतंत्र और मानव अधिकार चेतना, परंपरा और आधुनिकता का समन्वय, समाज सुधार और नारी उत्थान

प्रायोगिक कार्य : **30** घंटे

- किसी एक महान पत्रकार पर 15 पृष्ठ की शोध रिपोर्ट बनाना ।
- स्वतंत्रता पूर्व के किसी एक प्रमुख पत्र पर 15 मिनट के वृत्तचित्र या पॉडकास्ट का निर्माण।
- पत्रकारिता के मूल्यों पर 15 मिनट की वीडियो रिपोर्ट बनाना ।
- हिन्दी पत्रकारिता पर किसी चर्चित पत्रकार का साक्षात्कार ।

सहायक पुस्तकें :

- हिन्दी पत्रकारिता -डॉ कृष्ण बिहारी मिश्र
- हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास –जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
- हिन्दी पत्रकारिता :विविध आयाम -वेद प्रताप वैदिक
- हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास -डॉ अर्जुन तिवारी

DSE 6 डिजिटल फोटोग्राफी (घ)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 6 डिजिटल फोटोग्राफी (घ)	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- छात्रों को फोटोग्राफी, कैमरा संचालन, प्रकाश तकनीक और दृश्य तकनीक के मूल सिद्धांतों से परिचित कराना।
- कैमरा के विभिन्न प्रकार, कैमरा शॉट, मूवमेंट, कंपोजिशन से परिचित कराना।
- कैमरा संचालन के कौशल को विकसित करना।

Course Learning Outcomes

- छात्र फोटोग्राफी, कैमरा संचालन, प्रकाश तकनीक और दृश्य तकनीक के मूल सिद्धांतों के परिचित होंगे।
- छात्र कैमरा के विभिन्न प्रकार, कैमरा शॉट, मूवमेंट, कंपोजिशन से परिचित होंगे।
- कैमरा संचालन का कौशल प्राप्त करेंगे।

इकाई**-1.** फोटोग्राफी का इतिहास **10** घंटे

- फोटोग्राफी का संक्षिप्त इतिहास
- फोटोग्राफी का स्वरूप और महत्व, कैमरा ऑब्सक्यूरा
- फोटोग्राफी का सिद्धांत – रूल ऑफ थर्डस, लीडींग लाइंस, सिमिट्री, बैलन्स, फ्रेमिंग

इकाई**-2.** डिजिटल कैमरा **10** घंटे

- कैमरा : परिचय, भाग और कार्य
- कैमरा : तत्व, सहायक उपकरण
- कैमरा : प्रकार, एपर्चर नियंत्रण, लेंस के कार्य और प्रकार

इकाई**-3.** फोटोग्राफ़ी के प्रकार **10** घंटे

- फोटोग्राफी – पोर्ट्रेट, लैंडस्केप, लॉन्ग एक्सपोज़र और मैक्रो फोटोग्राफी
- फोटोग्राफी शॉट्स - एक्सट्रीम वाइड शॉट (ELS), लॉन्ग शॉट (LS) / वाइड शॉट (WS), फुल शॉट (FS), मीडियम लॉन्ग शॉट (MLS) / मीडियम वाइड शॉट (MWS), मीडियम शॉट (MS), मीडियम क्लोज अप (MCU), क्लोज अप (CU), एक्सट्रीम क्लोज अप (ECU), एस्टेब्लिशिंग शॉट (ES)
- फोटोग्राफी एंगल्स - विडिओ कैमरा एंगल – आई लेवल शॉट (ELS), लो ऐंगल शॉट (LAS), हाई ऐंगल शॉट (HAS), हिप लेवल शॉट (HLS), नी लेवल शॉट (KLS), ग्राउन्ड लेवल शॉट (GLS), शोल्डर लेवल शॉट (SLS), बर्ड्स आई व्यू शॉट (BEVS), एरियल शॉट या हेलिकाप्टर शॉट (AS/HS)

इकाई**-4.** प्रकाश संरचना और फोटोग्राफी मुद्रण पद्धति **15** घंटे

- प्रकाश संरचना : स्रोत, उपकरण (प्रमुख और गौण) सिद्धांत और उपयोग (डिफ्यूज़र, रिफ्लेक्टर, कटर और जेल)।
- प्रकाश का एक्सपोजर और मापन
- डिजिटल फोटो : प्रिंटिंग, फोटो परिवर्तन, फोटो का प्रभाव विश्लेषण

प्रायोगिक कार्य **:** **30** घंटे

11. 20 सिल्हूट फोटोग्राफी का डिजिटल डॉक्यूमेंट तैयार करना।
12. किसी एक स्थान विशेष लैंडस्केप फोटोग्राफी की सीरीज तैयार करना
13. डॉक्यूमेंट्री फोटोग्राफी पर प्रोजेक्ट तैयार करना
14. स्थान विशेष एरियल फोटोग्राफी पर प्रोजेक्ट तैयार करना।
15. स्पोर्ट्स और नेचर फोटोग्राफी पर प्रोजेक्ट तैयार करना।

सहायक पुस्तकें **:**

- कोठारी, गुलाब. (2015). प्रकाश लेखन : फोटो पत्रकारिता. जयपुर : पत्रिका प्रकाशन.
- यादव, नरेंद्र सिंह. (2013). फोटोग्राफी तकनीक एवं प्रयोग. जयपुर : राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी.
- ब्रायन, पीटरसन. (2016). अंडस्टैंडिंग एक्सपोजर. यूएसए:एनवाई. एमफोटो बुक्स. ISBN-13978-1607748502
- पीटर. (2021). डिजिटल फोटोग्राफी कम्प्लीट कोर्स. यूके: डिके पब्लिशिंग हाउस. ISBN-13978-0241446614
- जोबसन**,** केविन**. (2020)**. गेटिंग स्टारटेड विद डीएसएलआर फोटोग्राफी **:** अ बिगीनर्स गाइड टू कैपचरिंग ब्यूटीफुल फ़ोटोज़ विद योर डिजिटल कैमरा**.** एचवाईएम. ISBN-**13978-1637608593**

Teaching-Learning Process (शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया)

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन के दौरान निम्नलिखित प्रक्रिया को अपनाया जाएगा –

कक्षा में विषय आधारित व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, सरल से जटिलतर अध्यापन की ओर उन्मुखता, जटिल विषयों पर कक्षा के अलावा विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान और कार्यशाला का आयोजन, कक्षा में इंटरएक्टिव मोड में अध्यापन, स्मार्ट क्लासरूम का प्रयोग, फोटोग्राफी के लिए फोटोग्राफी प्रोजेक्ट तैयार करना, फोटोग्राफ का प्रोजेक्ट पर प्रदर्शन, फोटोग्राफी कैमरा शॉट, मूवमेंट, कंपोजिशन, साथ ही कैमरा के बुनियादी संचालन और कार्यों को प्रैक्टिकल करना। प्रैक्टिकल-प्रोजेक्ट / फोटो एल्बम। छात्रों को फोटो शूट के लिए बाहर ले जाया जा सकता है।

(Generic Elective) GE समाचार पत्र एवं पत्रिका (क)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE समाचार पत्र एवं पत्रिका (क)	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objective

- समाचार पत्र-पत्रिकाओं के इतिहास से परिचित कराना।
- स्वतंत्रता पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता की भूमिका से अवगत कराना।
- प्रमुख पत्रकारों और संपादकों के योगदान से परिचित कराना।
- भारतीय पत्रकारिता के नए ट्रेंड से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes:

- समाचार पत्र–पत्रिकाओं के इतिहास से परिचित होंगे।
- स्वतंत्रता पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता की भूमिका से अवगत होंगे।
- प्रमुख पत्रकारों और संपादकों के योगदान से परिचित होंगे।
- भारतीय पत्रकारिता में स्वतंत्रता पूर्व से आज तक आए बदलाव से परिचित होंगे।

इकाई-1, प्रिंट मीडिया: परिचय — 10 घंटे

- प्रिंटिंग प्रेस का इतिहास
- भारत में समाचार पत्र मुद्रण और ब्रिटिश नीति
- प्रिंट मीडिया में डिजिटल तकनीक

इकाई-2, भारत में प्रेस — 10 घंटे

- भाषाई प्रेस का संक्षिप्त परिचय

- स्वतंत्रता आंदोलन में प्रेस
- समाचार पत्रों का वर्तमान परिदृश्य

इकाई**-3,** प्रमुख समाचार पत्र और पत्रकार **10** घंटे

- प्रमुख समाचार पत्र
- प्रमुख संपादक
- प्रमुख पत्रकार

इकाई**-4,** पत्रिका और पत्रकारिता **15** घंटे

- साहित्यिक पत्रिकाएं
- बाल एवं महिला पत्रिकाएं
- विविध पत्रिकाएं

प्रायोगिक कार्य **:** **30** घंटे

- स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका पर रिपोर्ट, फीचर,लेख तैयार करना।
- प्रमुख पत्रकारों, संपादक पर रिपोर्ट, लेख, फीचर लेखन।
- प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं पर ब्लॉग लेखन, यूट्यूब वीडियो, वृतचित्र और पॉडकास्ट तैयार करना
- वर्तमान प्रमुख पत्रकारों और संपादकों से साक्षात्कार ।

सहायक पुस्तकें **:**

- संचार और विकास, श्यामाचरण दुबे,प्रकाशन विभाग, सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- भारतीय पत्रकारिता कोश, विजयदत्त श्रीधर, वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली
- भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, जे. नटराजन, प्रशासन विभाग, सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली
- हिंदी पत्रकारिता: जातीय चेतना और खड़ी बोली साहित्य की निर्माण भूमि,डॉ कृष्ण बिहारी मिश्र,भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
- हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम, डॉक्टर वेद प्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- भारतीय पत्रकारिता: नींव के पत्थर, मंगल अनुजा,, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
- हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र और पत्रिकाएं (दो खंड) माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल
- इंडियन न्यूजपेपर रिवॉल्यूशन: केपीटलाइज्म, पॉलिटिक्स, और इंडियन लैंग्वेज प्रेस 1977-99, रॉबिन जेफ्री, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली
- ई संसाधन-https.//swayam.gov.in /

(Generic Elective) GE पत्रकारिता के रचनात्मक आयाम (ख)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE पत्रकारिता के रचनात्मक आयाम (ख)	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objective

- पत्रकारिता में रचनात्मकता की जानकारी प्रदान करना।
- पत्रकारिता के विविध रूपों में रचनात्मक कार्य संस्कृति की व्यावहारिक समझ विकसित करना।
- रोजगारपरक संभावनाओं की जानकारी प्रदान करना।

Course Learning Outcomes:

- रचनात्मकता की अवधारणा से परिचित होंगे।
- पत्रकारिता के विद्यार्थियों में रचनात्मक कार्य की व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाश पाएंगे।

इकाई-1. रचनात्मक लेखन : सामान्य परिचय 10 घंटे

- रचनात्मकता की अवधारणा, स्वरूप और सिद्धांत
- रचनात्मकता के अभिव्यक्ति क्षेत्र : विज्ञापन, कार्टून, एनीमेशन, ब्लॉग, फिल्म, रील, पॉडकास्ट, फीचर
- व्यावसायिकता के दौर में रचनात्मकता : वर्तमान स्थिति, संभावनाएं

इकाई-2. प्रिंट मीडिया एवं रचनात्मकता 10 घंटे

- प्रिंट मीडिया और रचनात्मकता के विविध आयाम
- पत्र-पत्रिकाओं का मुद्रण और रचनात्मकता
- प्रिंट मीडिया की भाषा एवं रचनात्मकता

इकाई**-3.** इलेक्ट्रॉनिक मीडिया**:** रचनात्मक अभिव्यक्ति **10** घंटे

- रेडियो एवं रचनात्मकता: कार्यक्रम और भाषा , जिंगल, पॉडकास्ट
- टेलीविजन की रचनात्मक भाषा, स्टूडियो सेटअप, अभिव्यक्ति, कार्यक्रम निर्माण
- सोशल मीडिया और रचनात्मकता : कंटेंट निर्माण की प्रकृति और प्रयोग, ब्लॉग, रील, शॉट्स

इकाई**-4.** रचनात्मकता**:** विचार और तकनीक **15** घंटे

- दबाव की संस्कृति और रचनात्मक पत्रकारिता - मीडिया हाउस, राजनीतिक, आर्थिक, वैचारिक, टीआरपी
- एजेंडा सेटिंग और रचनात्मकता- वीडियो, व्हाट्सएप, फेसबुक, लेख, पेड न्यूज
- पत्रकारिता प्रशिक्षण और रचनात्मकता - वाक और अभिव्यक्ति कौशल, प्रभावी प्रस्तुति

प्रायोगिक कार्य : **30** घंटे

- प्रिंट अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में रचनात्मक प्रयोगों का अध्ययन और रिपोर्ट तैयार करना।
- सोशल मीडिया की रचनात्मकता पर समूह चर्चा, भेंटवार्ता, साक्षात्कार।
- रेडियो अथवा टेलीविजन की रचनात्मकता पर परियोजना कार्य।
- प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के भाषिक वैशिष्ट्य पर लेख लिखना।

सहायक पुस्तकें :

- रवींद्र शुक्ला, सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र, प्रकाशन वर्ष- 2008, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- संपादक- सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, नए जनसंचार माध्यम और हिंदी, प्रकाशन वर्ष- 2018, राजकमल प्रकाशन
- डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ, हिंदी पत्रकारिता और सर्जनात्मक लेखन, प्रकाशन- 2007,राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
- अरुण कुमार भगत, पत्रकारिता सर्जनात्मक लेखन और रचना प्रक्रिया, प्रकाशन- 2022, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
- मंजु मुकुल, सम्प्रेषण : चिन्तन और दक्षता, प्रकाशन- 2017, शिवालिक प्रकाशन

(Generic Elective) GE खेल पत्रकारिता (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE खेल पत्रकारिता (ग)	**4**	**3**		**1**	**12th Pass**	**NIL**

Learning Objective

- खेल पत्रकारिता के विकास की जानकारी देना।
- खेल पत्रकारिता की लेखन एवं प्रसारण शैली का कौशल विकास।
- खेल रिपोर्टिंग की विशेषता एवं उद्देश्यों से अवगत कराना।

Course Learning Outcomes:

- विद्यार्थी खेल पत्रकारिता के विकास एवं महत्त्व की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- लेखन प्रसारण एवं खेल रिपोर्टिंग में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
- खेल पत्रकारिता में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई**-1.** खेल पत्रकारिता का परिचय **10** घंटे

- खेल पत्रकारिता: अवधारणा एवं महत्त्व
- खेल पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
- प्रमुख भारतीय खेल पत्रकार

इकाई**-2.** खेल पत्रकारिता**:** सामग्री संकलन एवं निर्माण **10** घंटे

- खेल रिपोर्टिंग का स्वरूप: प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल माध्यम
- खेल लेखन के विविध रूप: फीचर, साक्षात्कार, संपादकीय, टिप्पणी, फोटोग्राफी, लाइव रिपोर्टिंग
- खेल पत्रकारिता संबंधी आचार संहिता

इकाई**-3.** खेल प्रसारण माध्यम और तकनीक **10** घंटे

- रेडियो, टेलीविजन और डिजिटल माध्यम
- खेल प्रसारण में मीडिया का प्रभाव एवं प्रबंधन

- सोशल मीडिया और खेल पत्रकारिता: प्रमुख यूट्यूब चैनल, फेसबुक, इंस्टाग्राम

इकाई**-4.** खेल संस्थाएँ**:** संरचना और नीतियाँ **15** घंटे

- प्रमुख खेल संस्थाओं की मीडिया निर्देशिका: IOC, FIFA, ICC, BCCI, HOCKEY INDIA
- प्रमुख खेल संस्थाओं के प्रसारण अधिकार और मार्केटिंग
- खेल फिल्में और समीक्षा: लगान, चक दे इंडिया, मैरीकॉम, भाग मिल्खा भाग, दंगल

प्रायोगिक कार्य **:** **30** घंटे

- विभिन्न समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं में खेल संबंधी समाचारों एवं फीचर का विश्लेषणात्मक अध्ययन
- महाविद्यालय में आयोजित खेल दिवस के प्रसारण का **5** मिनट का विडियो निर्माण
- किन्हीं दो क्षेत्रीय, राजकीय अथवा राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का साक्षात्कार एवं दृष्य निर्माण
- खेल वृत्तचित्र, खेल फिल्म समीक्षा

सहायक पुस्तकें **:**

- खेल पत्रकारिता, पदमपति शर्मा, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
- खेल पत्रकारिता के आयाम, डॉ. आशीष द्विवेदी, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली
- खेल पत्रकारिता, प्रो. अनिल कुमार उपाध्याय, भारती प्रकाशन, दिल्ली
- खेल पत्रकारिता, डॉ. जितेन्द्र कुमार, खेल साहित्य केंद्र, दिल्ली
- आधुनिक पत्रकारिता, डॉ अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- पत्रकारिता के विविध रूप, रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
- जनमाध्यम और पत्रकारिता, प्रवीण दीक्षित, सहयोगी साहित्य संस्थान, कानपुर

(Project Work) परियोजना कार्य (2)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
परियोजना कार्य (2)	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Learning Objective

- विभिन्न प्रकार की मीडिया परियोजनाओं को समझाना।
- वृत्तचित्र, पॉडकास्ट, समाचार रिपोर्ट, सोशल मीडिया अभियान, विज्ञापन संबंधित मीडिया परियोजनाओं का परिचय कराना।
- परियोजना के विषय को चुनना और उसके उद्देश्यों को परिभाषित कराना।
- मीडिया प्रोडक्शन में नैतिक विचार और अनुसंधान को समझाना।
- साक्षात्कार की योजना बनाना और स्रोत जुटाना।
- लक्षित दर्शकों की पहचान करना।
- तथ्यों की जाँच और सटीकता के लिए सामग्री की समीक्षा को समझाना।
- फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और ऑडियो रिकॉर्डिंग, संपादन उपकरण (एडोब प्रीमियर, ऑडेसिटी, कैनवा, आदि), सोशल मीडिया रणनीतियाँ, इन्फो ग्राफिक्स और मल्टीमीडिया सामग्री, स्क्रिप्टिंग और स्टोरीबोर्डिंग आदि संबंधित विषय पर परियोजना कार्य करवाना।

Course Learning Outcomes

- विभिन्न प्रकार की मीडिया परियोजनाओं की समझ होगी।
- वृत्तचित्र, पॉडकास्ट, समाचार रिपोर्ट, सोशल मीडिया अभियान, विज्ञापन संबंधित मीडिया परियोजनाओं को बनाएंगे।
- परियोजना के विषय को चुनना और उसके उद्देश्यों को परिभाषित करेंगे।
- मीडिया प्रोडक्शन में नैतिक विचार और उसके अनुसंधान को समझेंगे।
- साक्षात्कार की योजना बनाएंगे और स्रोत जुटाएंगे।
- लक्षित दर्शकों की पहचान करेंगे।
- तथ्यों की जाँच और सटीकता के लिए सामग्री की समीक्षा को समझाएंगे।
- फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और ऑडियो रिकॉर्डिंग, संपादन उपकरण (एडोब प्रीमियर, ऑडेसिटी, कैनवा, आदि), सोशल मीडिया रणनीतियाँ, इन्फो ग्राफिक्स और मल्टीमीडिया सामग्री, स्क्रिप्टिंग और स्टोरीबोर्डिंग आदि संबंधित विषय पर परियोजना कार्य तैयार करेंगे।

Syllabus

60 घंटे

- मीडिया अनुसंधान और प्री-प्रोडक्शन
- अध्यात्म संचार कौशल
- शोध की मीडिया उत्पादन तकनीकें
- मोबाइल पत्रकारिता और कम बजट का उत्पादन संबंधी शोध
- डिजिटल मीडिया और शोध

- दृश्य, ऑडियो और शोध
- पोस्ट-प्रोडक्शन और शोध
- वीडियो/ऑडियो संपादन तकनीकें और शोध
- वॉयस ओवर, संगीत और शोध
- मीडिया उद्योग और शोध
- डिजिटल मीडिया, पत्रकारिता और शोध
- मीडिया उत्पादन में कैरियर और शोध
- संचार की रचनात्मक प्रतिक्रिया और शोध